संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-333 शुक्रवार,04 अक्टूबर 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

» जेलों में जाति के आधार पर काम देना अनुचित

» यह अनुच्छेद 15 का उल्लंघन

नई दिल्ली,03 अक्टूबर 2024 (ए)। जेलों में जाति-आधारित भेदभाव को रोकने की मांग करने वाली जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपना फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने कहा कि जेल मैनुअल निचली जाति को सफाई और झाड़ू लगाने का काम और उच्च जाति को खाना पकाने का काम देकर सीधे भेदभाव करता है।

अदालत ने कहा कि यह अनुच्छेद 15 का उल्लंघन है। कोर्ट ने कहा कि इस तरह की प्रथाओं से जेलों में श्रम का अनुचित विभाजन होता है। जाति के आधार पर काम के बंटवारे की अनुमति नहीं दी जा सकती।

सेक्रेटरी और स्कूल प्रेसिडेंट गिरफ्तार

मुंबई,03 अक्टूबर 2024 (ए)। बदलापुर के यौन शोषण केस में ठाणे क्राइम ब्रांच ने स्कूल प्रेसिडेंट उदय कोटवाल और सेक्रेटरी तुषार आप्टे को अपनी हिरासत में लिया है। इसी मामले में पुलिस ने 24 साल के अक्षय शिंदे को 17 अगस्त को गिरफ्तार किया था, जिस पर 3 और 4 साल की बच्चियों के यौन शोषण का आरोप था। 23 सितंबर को पुलिस एनकाउंटर में वह मारा गया।

दिल्ली के कालकाजी मंदिर में करंट फैलने हुसे भगदड़

1 छात्र की मौत और कई लोग घायल

नई दिल्ली,03 अक्टूबर 2024(ए)। राजधानी दिल्ली के प्रसिद्ध कालकाजी मंदिर से हादसे की बड़ी खबर सामने आ रही है। कालकाजी मंदिर में 2 अक्टूबर की देर रात करंट और भगदड़ की घटना हुई है। इस हादसे में करंट लगने से एक छात्र की मौत हो गई है और एक घायल हुआ है। वहीं, भगदड़ मचने से 6 लोग घायल हुए हैं।

ट्रेनी डॉक्टर के स्टैच्यू पर मचा विवाद

» टीएमसी बोली- ये घटिया और अपमानजक...

» जूनियर डॉक्टर बोले... ये दर्द का प्रतीक...

कोलकाता,03 अक्टूबर 2024 (ए)। कोलकाता के आरजी कर कॉलेज में रेप-मर्डर विक्टिम ट्रेनी डॉक्टर का स्टैच्यू लगाया गया है। फाइबर ग्लास के बने इस स्टैच्यू को अभया क्राई ऑफ द आवर' नाम दिया गया है। इसमें एक महिला को दर्द में चीखते हुए दिखाया गया है। इस स्टैच्यू को लेकर विवाद शुरू हो गया है। तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष ने इसे घटिया और ट्रेनी डॉक्टर की याद के लिए अपमानजनक बताया है। उन्होंने कहा कि ये अब तक की सबसे खराब चीज है।

वहीं,करीब दो महीने से विरोध प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टर्स ने कहा कि ये स्टैच्यू विक्टिम का नहीं है, बल्कि ये उस दर्द और टॉर्चर का प्रतीक है, जिससे वह गुजरी थी। यह स्टैच्यू हमारे प्रदर्शनों को भी दर्शाता है।

क्या है कुणाल घोष का पूरा बयान

विक्टिम के नाम पर इस मूर्ति की स्थापना सुप्रीम कोर्ट के फैसले की भावना के खिलाफ है। कोई जिम्मेदार व्यक्ति कला के नाम पर भी ऐसा नहीं कर सकता। विरोध और न्याय की मांगे ठीक हैं, लेकिन उस लड़की के दर्द भरे चेहरे वाली मूर्ति सही नहीं है। देश में निग्रहिता (रेप विक्टिम) की तस्वीरों, मूर्तियों आदि को लेकर दिशानिर्देश हैं।

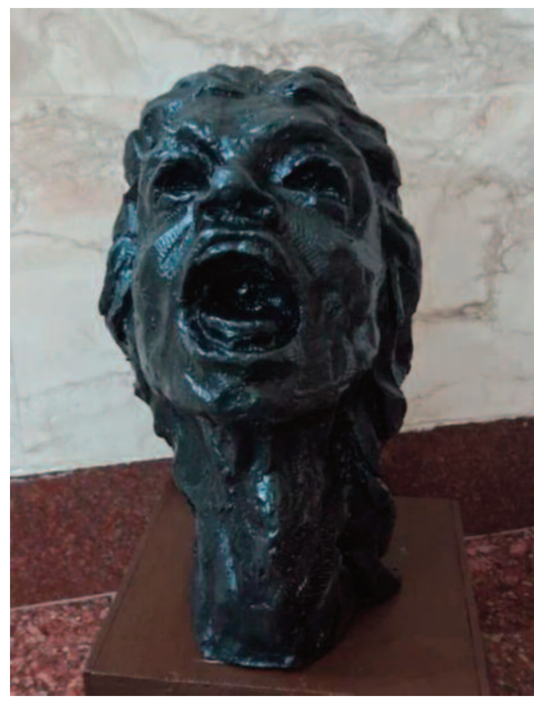

12 दिन बाद फिर हड़ताल पर जूनियर डॉक्टर

ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस को लेकर जूनियर डॉक्टर ने फिर से मार्च निकाला। ये विरोध मार्च कोलकाता में कॉलेज स्क्वायर से धर्मतला तक निकाला गया।जूनियर डॉक्टरों ने राज्य सरकार पर दबाव बनाने के लिए काम बंद कर दिया है। डॉक्टरों की मांग है कि उन्हें पूरी तरह सुरक्षा दी जाए।

सुप्रीम कोर्ट में कहा था...सभी इमरजेंसी और जरूरी सेवाएं जारी

सुप्रीम कोर्ट में 30 सितंबर की सुनवाई में बंगाल सरकार ने कहा कि रेजिडेंट डॉक्टर्स इन पेशेंट डिपार्टमेंट और आउट पेशेंट डिपार्टमेंट में काम नहीं कर रहे हैं। इसके जवाब में डॉक्टर्स के वकील ने कहा कि सभी इमरजेंसी और जरूरी सेवाओं में डॉक्टर काम कर रहे हैं। मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी।

जूनियर डॉक्टर बोले- ममता ने मीटिंग में किए वादों पर काम नहीं किया

विरोध प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टर में से एक अनिकेत महतो ने हड़ताल का ऐलान करते हुए कहा- हमारी सुरक्षा की मांगों को पूरा करने के लिए ममता सरकार का रवैया पॉजिटिव नहीं लग रहा है। आज 52 वां दिन है। हम पर अभी भी हमले हो रहे हैं। ष्टरू ममता के वादों को पूरा करने का कोई प्रयास होता नहीं दिख रहा है। हमारे पास आज से पूरी तरह काम बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। जब तक हम राज्य सरकार की तरफ से कार्रवाई नहीं देखते, तब तक काम बंद रहेगा।

डॉक्टरों-नर्सों पर हमले हुए,इसी वजह से फिर शुरू की हड़ताल

दरअसल,कोलकाता के सागोर दत्ता हॉस्पिटल में 27 सितंबर को एक मरीज की मौत के बाद 3 डॉक्टरों और 3 नर्सों से पिटाई का मामला सामने आया था। इसी घटना से जूनियर डॉक्टर्स नाराज हैं। डॉक्टर्स ने अस्पताल में प्रदर्शन भी किया। इस मामले में 4 प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को हिरासत में लिया गया है। डॉक्टर्स की मांग है कि उन्हें अस्पतालों में सुरक्षा मुहैया कराई जाई, ताकि वे बिना डर के ड्यूटी कर सकें।

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व पंजाब सरकार को लगाई लताड़

पूछा- आप अब तक नर्म क्यों?

नई दिल्ली,03 अक्टूबर 2024(ए)। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को लेकर केंद्र सरकार के पैनल कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट और पंजाब सरकार को फटकार लगाई है। कोर्ट ने पूछा कि पराली जलाने की 129 घटनाओं में एक पर भी कर्रवाई क्यों नहीं हुई? कोर्ट ने इस मामले में पंजाब-हरियाणा को एक सप्ताह के अंदर हलफनामा दाखिल करने को कहा है कि गठित आयोग के निर्देशों को क्यों नहीं लागू किया गया। 16 अक्टूबर को मामले पर अगली सुनवाई की जाएगी। इस पर एडिशनल सॉलिसीटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि सख्ती इसलिए नहीं की, क्योंकि प्रदूषण में लगातार गिरावट आ रही है। इसके बाद जज ने पूछा,आप इतने गंभीर हैं कि साल में 3-4 बार बैठक करते हैं। सिर्फ लक्ष्य बता रहे हैं, परिणाम नहीं मिल रहे। इस साल पराली जलाने की 129 घटनाएं रिपोर्ट हुई। आपने एक के खिलाफ भी कार्रवाई नहीं की।

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से पूछे प्रश्न

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार के वकील से पूछा, आपके यहां इस साल 129 घटनाएं रिपोर्ट हुई हैं। आपने कोई कार्रवाई नहीं की। आपकी राजनीतिक मजबूरियां हो सकती हैं, लेकिन कोई कार्रवाई न करना निराशाजनक है। आप यह भी सुनिश्चित नहीं कर पा रहे कि किसान मशीनों का इस्तेमाल करें।कोर्ट ने कहा पंजाब अपने उन प्रस्ताव के बारे में बताए, जो कोष के लिए भेजा गया। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में दर्ज किया कि राज्यों ने जो कुछ किया है वह किसानों से नाममात्र का मुआवजा वसूलना है। प्रथम दृष्टया आयोग स्वयं प्रवर्तन और सुरक्षा के संबंध में अपने निर्देशों को लागू करने पर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए कोई प्रयास नहीं कर रहा है। जाहिर तौर पर अपने ही आदेशों के लिए कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है. इसलिए हम पंजाब और हरियाणा को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) निर्देशों के अनुपालन के लिए निर्देशित करते हैं। एक सप्ताह के भीतर वह हलफनामा दाखिल करे। शार्ष अदालत ने आगे कहा कि यदि वायु प्रदूषण विशेषज्ञ सीएक्यूएम समितियों के सदस्य नहीं हैं, तो हम अनुच्छेद 142 के तहत अपने शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। केंद्र और सीएक्यूएम को भी आज से एक सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करना होगा। आयोग अपने निर्देशों को लागू करने को सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाएगा।

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भाजपा को बड़ा झटका

» बीजेपी से लोकसभा चुनाव लड़ चुके अशोक तंवर ने की घर वापसी

महेंद्रगढ़,03 अक्टूबर 2024(ए)। हरियाणा में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन राहुल गांधी ने महेंद्रगढ़ में जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर भाजपा के टिकट पर सिरसा से लोकसभा चुनाव लड़ चुके अशोक तंवर ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया। राहुल गांधी की उपस्थिति में भूपेंद्र हुड्डा ने तंवर को पार्टी का पटका पहनाकर स्वागत किया। एक तरह से अशोक तंवर की घर वापसी हुई है। कुछ साल पहले कांग्रेस की आंतरिक कलह के चलते उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी, लेकिन अब विधानसभा चुनाव के नजदीक आकर उन्होंने फिर से कांग्रेस जॉइन की है। तंवर का पार्टी में वापस आना कांग्रेस के लिए मजबूती का संकेत है, जबकि भाजपा के लिए यह एक बड़ा राजनीतिक झटका है।सूत्रों के मुताबिक अशोक तंवर राज्यसभा न भेजे जाने से नाराज होकर लोकसभा चुनाव से पहले से बीजेपी में चले गए। उन्होंने भाजपा की टिकट से सिरसा लोकसभा से चुनाव लड़ा लेकिन उन्हें वहां हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद अब एक बार फिर तंवर ने कांग्रेस में घर वापसी की।

5000 करोड़ के ड्रग्स केस में मास्टरमाइंड तुषार गोयल का कांग्रेस कनेक्शन

दुबई से जुड़े हैं कोकेन के तार

नई दिल्ली,03 अक्टूबर 2024(ए)।5000 करोड़ से अधिक के कोकेन और थाईलैंड का गांजा बरामद किए जाने के मामले में मास्टरमाइंड तुषार गोयल का कांग्रेस कनेक्शन सामने आया है। स्पेशल सेल को कांग्रेस के कई बड़े नेताओं के साथ तुषार गोयल के संबंध होने का पता चला है।

तुषार गोयल 2022 तक दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के आरटीआई सेल का चेयरमैन रहा है। दिल्ली में अब तक की सबसे बड़ी खेप बरामद होने के बाद तुषार गोयल के कई कांग्रेस नेताओं के साथ फोटो सामने आए हैं।इसने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के आरटीआई सेल का चेयरमैन होने की बात लिखी है। आरोपित ने डिग्गी गोयल नाम से सोशल मीडिया पर प्रोफाइल बनाया हुआ है। तुषार गोयल ने स्पेशल सेल की पूछताछ में इस बात का पर्दाफाश किया है। 5000 करोड़ से अधिक की कोकेन के तार दुबई के वीरू नाम शख्स से जुड़े पाए गए हैं। वह कई देशों में ड्रग्स की आपूर्ति करता है। ड्रग्स की खरीद फरोख्त के लिए दुबई डी कंपनी का एक सेफ जोन है। ऐसे में डी कंपनी और दुबई से इस 5000 करोड़ की कोकेन के तार जुड़ने के एंगल पर स्पेशल सेल पूछताछ कर रही है। इसमें मुंबई कनेक्शन भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बड़ी खेप मुंबई जाना था। मुंबई में किन लोगों के पास कोकेन की आपूर्ति की जाती इसके बारे में पता लगाया जा रहा है।

अब आधी कीमत में मिलेंगे इलेक्ट्रिक वाहन

» खुशी से नाचने लगे खरीदार ईवी को लेकर बड़ा फैसला

नई दिल्ली,03 अक्टूबर 2024(ए)। अगर आप भी इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने का मन बना रहे हैं तो ये खबर आपके बहुत काम की है. क्योंकि बहुत जल्द सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों पर बंपर डिस्काउंट देने वाली है. बजट सत्र में भी ईवी वाहनों को सस्ता करने के लिए वित्त मंत्री ने बड़ी घोषणा की थी। जिसमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा था कि कोबाल्ट, लिथियम और तांबे के 7725 महत्वपूर्ण खनीजों पर कस्टम ड्यूटी हटाई जाएगी। बता दें कि कस्टम ड्यूटी के हटाने से देश में लिथियम आइन बैटरी का उत्पादन सस्ता हो जाएगा। जिसके बाद ईलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतों में बड़ी कमी आने की उम्मीद है. यही नहीं सूत्रों का तो यहां तक दावा है कि इस साल के अंत तक सरकार ईवी वाहनों पर सब्सिडी भी देने वाली है। हाल ही में केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक निजी कार्यक्रम में संकेत दिये थे कि बहुत जल्द ईवी वाहनों की कीमतें पेट्रोल डीजल वाहनों की बराबर हो जाएगी. हालांकि कब तक होगी,इसके बारे में उन्होने कुछ नहीं बताया था। सूत्रों का दावा है कि इस साल के अंत तक सरकार ईवी वाहनों पर सब्सिडी देने की योजना बना र ही है. आपको बता दें कि यूपी सहित कई राज्यों में ईवी वाहनों पर सब्सिडी देने का प्रावधान किया गया है. केन्द्र सरकार भी अब ईवी वाहनों पर छूट देने के बारे में सोच रही है। बैटरी को बनाने में मुख्य तौर पर दो घटको, लिथियम और कोबाल्ट का उपयोग होता है. कस्टम ड्यूटी की हटने से इनकी कीमतों में कमी आएगी। जिससे लिथियम बैटरी से चलने वाली कार,बाइक और स्कूटर के भी सस्ते होने की उम्मीद है। इसका फायदा देश में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वाले लाखों ग्राहकों को होगा.।

आखिर कहां गया 2000 के वह गुलाबी नोट

नई दिल्ली,03 अक्टूबर 2024(ए)। देश में 2000 रुपये के नोट बंद हुए डेढ़ साल से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन हजारों करोड़ रुपये के ये नोट अभी भी लोगों के पास पड़े हैं. भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में जानकारी दी है कि कुल 2000 रुपये के नोटों में से 98 फीसदी नोट बैंकों में वापस आ गए हैं. यानी करीब 2 फीसदी नोट अभी भी लोगों के पास पड़े हैं. यह एक बहुत बड़ी संख्या है और आरबीआई इसको लेकर चिंतित है.

हाल ही में केंद्रीय बैंक आरबीआई ने 2000 रुपये के नोटों की वापसी का डेटा शेयर किया है और जानकारी दी है कि इस मूल्य के 98 फीसदी नोट बैंक में वापस आ गए हैं, इसके बावजूद लोगों के पास अभी भी 7,117 करोड़ रुपये के गुलाबी नोट छिपे हुए हैं. शुरुआती दौर में इन नोटों को चलन से बाहर करने के बाद इनकी वापसी काफी तेजी से हुई, लेकिन अब ये नोट बड़ी मुश्किल से वापस आ रहे हैं.

अब तक कितने गुलाबी नोट वापस आए हैं?

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 1 जुलाई 2024 को साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, बाजार में 7581 करोड़ रुपये के 2000 रुपये के नोट बचे हैं, जबकि ताजा आंकड़ों के अनुसार यह आंकड़ा अभी भी 7000 करोड़ रुपये से ऊपर है.

सुप्रीम कोर्ट से ईशा फाउंडेशन को राहत

मद्रास हाईकोर्ट के आदेश पर लगी रोक

चेन्नई 03 अक्टूबर 2024(ए)। गुरुवार (3 अक्टूबर) को सुप्रीम कोर्ट ने सद्गुरु जग्गी वासुदेव की ईशा फाउंडेशन को एक बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें तमिलनाडु सरकार को ईशा फाउंडेशन और सद्गुरु के खिलाफ दर्ज सभी आपराधिक मामलों की रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया था।

मद्रास हाईकोर्ट का आदेश

मद्रास हाईकोर्ट ने फाउंडेशन के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे, जिसमें लड़कियों का ब्रेनवॉश करने और बंधक बनाने के आरोप शामिल हैं। इस आदेश के खिलाफ ईशा फाउंडेशन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट में फाउंडेशन की ओर से सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने त्वरित सुनवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि मद्रास हाईकोर्ट ने बिना किसी ठोस आधार के आदेश जारी किया है।

चीफ जस्टिस की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हाईकोर्ट का आदेश स्थगित किया जा सकता है, क्योंकि इसे बिना प्राथमिक आधार के पारित किया गया था।

संपादकीय

तिरुपति के लड्डूओं पर चंद्रबाबू नायडू की टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

धर्म और राजनीति का मिश्रण धर्मनिरपेक्षता को नष्ट कर देता है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को कड़ी फटकार लगाई। दो जजों की पीठ नायडू के इस आरोप पर फैसला सुना रही थी कि तिरुपति मंदिर के लड्डू में मिलावट की गई है, यानी प्रसाद बनाने में गोमांस, सुअर की चर्बी और मछली के तेल का इस्तेमाल किया गया है। जजों ने कहा कि मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम एक उच्च संवैधानिक पदाधिकारी की इन टिप्पणियों से पक्षपातपूर्ण हो सकती है। इसके अलावा, लोगों की भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। इसी संदर्भ में कोर्ट ने कहा कि भगवान को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। दूसरे शब्दों में, नायडू की टिप्पणियों ने मुख्यमंत्री के तौर पर उनकी जिम्मेदारियों का उल्लंघन किया, लेकिन यह भी उतना ही महत्वपूर्ण था कि आरोप राजनीतिक रूप से लक्षित थे, क्योंकि यह आरोप वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान लगे थे। मिलावटी तिरुपति लड्डू पर अपनी टिप्पणी से श्री नायडू राजनीतिक मकसद से लोगों की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचा रहे थे, जबकि एसआईटी ने आरोप की सच्चाई या झूठ का खुलासा भी नहीं किया था। सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी की गूंज इस मामले से परे भी है। राजनीति में धर्म के इस्तेमाल से देश का धर्मनिरपेक्ष ताना-बाना पहले ही तहस-नहस हो चुका है; यहीं से इसने सामाजिक मामलों और सांस्कृतिक दृष्टिकोणों में घुसपैठ की है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का महत्व इस बात से और भी स्पष्ट हो जाता है कि धर्म ने किस तरह बहुसंख्यकवाद को बढ़ावा दिया है, अल्पसंख्यक समुदायों में असुरक्षा पैदा की है और कई मामलों में उनकी जीवनशैली और आजीविका को खत्म किया है। हिंदुत्व का विचार जो आजकल राजनीति से अलग नहीं है, वह भी जातिवादी है; उदाहरण के लिए, दलित छात्रों की आत्महत्या, दलित लड़कियों पर वर्चस्वशाली जातियों के पुरुषों द्वारा यौन हमलों में 45त्न की वृद्धि और स्कूल और उच्च शिक्षा में दलितों के लिए कुछ शैक्षिक अनुदानों और सहायता के रूपों को चुपचाप वापस लेना। धर्म को राजनीति के साथ मिलाने के परिणामस्वरूप आक्रामकता, घृणा और भय का माहौल बना है। दुख की बात है कि कई राजनीतिक दल, यहां तक कि दिल्ली में सत्तारूढ़ पार्टी के कुछ विपक्षी दल भी अपने मतदाताओं में पैदा हुई धार्मिक भावनाओं को संबोधित करने के लिए कम स्पष्ट तरीकों से धर्म को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। इस संदर्भ में, भगवान को राजनीति से दूर रखने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को पूरे देश के सभी नेताओं को सुनना चाहिए, न कि केवल श्री नायडू को ।

देश की सामाजिक आर्थिक व राजनीतिक विद्रूपताओं पर गहरी चोट

घटती-घटना
संजीव ठाकुर
रायपुर

जैसा कि सर्व विदित है कि हम भारत के लोगों के द्वारा 26 नवंबर 1949 को जो संविधान अंगीकृत,आत्मार्पित किया गया है जिसका एकमात्र उद्देश्य ऐसा लोकतांत्रिक गणराज्य बनाना है जिसमें आजादी की गरिमा को सामान्य नागरिक के लिए सुनिश्चित करना हो या यों उद्भाषित करें कि एक ऐसा समाज जहां नागरिक अपने मानव-सार या अपने स्वत्व को पहचान सके, अपने भीतर की सभी संभावनाओं की तलाश कर सके। हमारे देश की संरचना लोकतांत्रिक तो है ही पर यहां लोकतंत्र व्यापक शब्दों में आकर स्तंभित हो जाता है । लोकतंत्र के इस शब्द में व्यापक समावेशी अर्थों में संपूर्ण लौकिक, आत्मिक सोपानों को समाहित करते हुए व्यक्ति के आपसी संवाद,भाषा, मूल्य की सही मीमांसा नागरिकों के लिए एक दुःस्वप्न की तरह ही है । यह स्वप्न अब वर्तमान संदर्भों में और दुष्कर हो गया है। राजशेखर चौबे की कृति संतरा गणतंत्र भी इसी तर्ज पर लिखा गया व्यंग्य संग्रह है, जिस तरह संतरा ऊपर से एकाकार दिखाई देकर अंदर से अलग-अलग हिस्सों में बंटा हुआ होता है इसी तरह भारत देश भी अलग-अलग संप्रदाय जातियों एवं सामाजिक रीति-रिवाज से बंटकर भी एक लोकतांत्रिक देश है। इस संग्रह में विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की अड़चनों और रूकावटों की गहरी पड़ताल है जो इस समय की सबसे बड़ी मांग है और जिसे लेखक ने अपने शब्दों में व्यंग्य के माध्यम से पाठकों के मध्य परोसा है। इसमें विभिन्न पारंपरिक बाधाओं, रूकावटों के बाद भी देश का 78 वर्षों से संचालन होना आश्चर्यजनक तो है ही साथ में सत्य भी है परंतु यह प्रश्न उठता है कि सारे मुक्तिकामी मूल्य, अग्रगामी संघर्ष इस प्रश्न की चौखट पर हांफते नजर आते हैं। कल्पना कीजिए कि हमारे परिवार में ही लोकतांत्रिक मूल्य न बचे हो तो समग्र रूप से देश में इसकी परिकल्पना बेमानी होगी और यह भी कल्पना कीजिए कि जिस परिवार में लोकतंत्र अस्तित्व में नहीं है या कमतर है वहां सदस्य गण हिंसाओं, विषमताओं दमन तथा क्रूरता पर आधारित हो,यह सामाजिक रूप से विसंगतियां पैदा करते हों तब भी क्या परिवार के बच्चे स्वस्थ,उच्चतर जीवन मूल्यों की ओर उन्मुख हो सकते हैं। यही व्यापक प्रश्न समग्र रूप से बड़े कैनवास पर उतारकर व्यंग्यकार ने अपने संग्रह में न सिर्फ देश की बल्कि वैश्विक समाजार्थिक समस्याओं के विरोध में अपनी कलम चलाई है। संतरा गणतंत्र (बनाना-रिपब्लिक) की तर्ज पर लिखा गया संग्रह है । यहां बहुत ही उल्लेखनीय है कि बनाना गणतंत्र 1904 में अमेरिकन लेखक ओ हेनरी ने इस लोकोक्ति का प्रयोग किया था जिसमे उल्लेखित किया है कि केला गणतंत्र जिसे अंग्रेजी मूल में बनाना रिपब्लिक कहा जाता है एक राजनीतिक रूप से अस्थिर देश होता है जिसकी अर्थव्यवस्था किसी ऐसे विशेष कृषि खनिज या अन्य उत्पादन के निर्यात पर निर्भर हो एवं जिसकी विश्व में भारी मांग हो। भारत अब हर दिशा में हर उत्पादन को सर्वाधिक सर्वोपरि रख आत्मनिर्भर देश होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है आने वाले वर्षों में तीसरी बड़ी आर्थिक अर्थव्यवस्था बन सकता है । खैर यह भारतीय गणतंत्र पर संदर्भित व्यंग्य लिखा गया है। राजशेखर चौबे ने अपने व्यंग्य संग्रह में 56 व्यंग्य लिखें अब आप समझ जाएंगे ही कि किसी राजनेता का सीना 56 इंच का हो सकता है तो व्यंगकार की 56 रचनाएं क्यों नहीं? राजशेखर चौबे का पहला व्यंग्य संग्रह आजादी का जश्न जिसकी भूमिका मेरे द्वारा ही लिखी गई थी, दूसरा व्यंग्य संग्रह स्ट्राइक 2.0 तीसरा व्यंग्य संग्रह निठ्ठलों का औजार-सोशल मीडिया पाठकों के समक्ष आई थी जिसे देश के पाठकों से काफी स्नेह तथा प्यार भी मिला है, अब यह चौथा व्यंग्य संग्रह संतरा गणतंत्र पाठकों के सामने पढ़ने के लिए उपलब्ध है। इस संग्रह में यह कहने का प्रयास किया गया है कि लोकतंत्र का यह मूलभूत सिद्धांत है कि बात या संवाद माना जाए या ना माना जाए लेकिन उसे सुना जरूर

जा सके, संवाद अबाधित जारी रहना चाहिए। परिवार में लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत खीझ, गुस्सा,आक्रोश प्रदर्शित करने की सुविधा होती है ऐसे में उसमें प्यार और पारस्परिक संवेदनशील संवाद कम ही होते हैं। जिस तरह परिवार में पारिवारिक सदस्य एक दूसरे से अजनबी बनकर अलग-अलग द्वीप बना लेते हैं । इस तरह लोकतांत्रिक पार्टियों भी विभिन्न विचारधाराओं के होकर अलग-अलग खेमे में बंट जाती है। व्यंग्य संग्रह इसी मूल मंत्र को लेकर आगे बढ़ा है। व्यंग्यकार स्वयं लिखते हैं कि वे बदलाव के लिए लिखना चाहते हैं । व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की 2023- 24 में जन्म शताब्दी के अवसर पर उन्हें याद करते हुए यह व्यंग्य संग्रह लिखा गया है और संभवत राजशेखर चौबे ने अपने व्यंग्य सपने में परसाई पर यह लिखा भी है कि वे व्यथित,वंचित व्यक्ति के साथ खड़े हैं और सामाजिक आर्थिक विद्रूपताओं पर प्रहार करना चाहते हैं। उनके कई व्यंग्यों में इसका स्पष्ट प्रभाव दिखाई देता है जैसे विमुद्रीकरण से मौद्रिकरण, गिरावट का दौर, वर्चुअल रियलिटी की रियलिटी, कर लोटस हो गए, टमाटर का औसत मूल्य आदि । यह हर राजनेता जानता है कि जितने भी व्यंग्य लिखे जाते हैं चाहे वह गद्य हो या पद्य उनका सबसे सुपाच्य भोजन नेता और आर्थिक तंत्र के चूषक जिम्मेदार व्यवसायी होते हैं इसका यह कतई मतलब न निकाला जाए कि केवल व्यंग्यकारों के निशाने पर नेता और व्यवसायी ही होते हैं बल्कि वह हर भ्रष्टाचारी अधिकारी एवं व्यक्ति होता है जो समाज के गरीब तबके के आम और वंचित व्यक्ति का शोषण करता है। व्यंग्यकार की लेखनी से कहीं-कहीं लक्षित होता है कि वे कार्ल मार्क्स के दास कैपिटल की वृष्टि-छाया या उनके वैचारिक शैडो से बाहर निकलने की छटपटाहट दिखाते हैं पर वामपंथ का प्रभाव दिखाई देता है। किसी भी संग्रह के लेखन अथवा किसी भी तरह के लेखन के लिए यह बहुत आवश्यक है कि आप उसका गहन,अध्ययन और मनन करें एवं उसे पर गहरी विचार दृष्टि पैदा करें तभी जाकर लेखकीय परिणाम अच्छे और परिणाम मूलक होते हैं। ऐसा लगता है कि लेखक बहुत शीघ्रता से शीर्ष लेखकों की अग्रिम पंक्ति में स्थान बनाना चाहते हैं एवं इसी आपाधापी में यह विष्मृत नहीं किया जाना चाहिए कि व्यंग्य का आनंद तभी लिया जा सकता है कि वह पढ़ने वालों में सही और सटीक हास्य एवं गुदगुदी भी पैदा कर सके, शुष्क और बौद्धिकतावादी व्यंग्य से पाठक थोड़ा बिद्कता भी है। खासकर आम पढ़ने वाला व्यक्ति इसे समझें और संपूर्ण आनंद ले इसी उद्देश्य के साथ लिखा जाना चाहिए। यही वजह है कि परसाई आमजन के बहुत बड़े व्यंग्यकार स्थापित हुए हैं । श्रीलालशुक्ल जी की राग दरबारी इतनी प्रसिद्ध हुई है। मैं केवल हास्य की वकालत नहीं कर रहा हूँ । मैं इस बात को अच्छी तरह समझता हूं कि हास्य और व्यंग्य के बीच एक बारीक एवं अदृश्य सीमा होती है। राजशेखर चौबे चूंकी पूर्व में राजस्व सेवा में रहे हैं उसका भी प्रभाव उनकी रचनाओं में पड़ता है यह स्वाभाविक भी है। उनकी अन्य रचनाओं में सत्य से मुठभेड़ में उन्होंने लिखा है कि आज सत्य का स्वरूप बदल गया सत्य समाज के सामने वही स्थापित सत्य है जो मीडिया उन्हें परोस कर देता है।

कछुआ और खरगोश में वर्तमान युग की आपाधापी को दर्शाया है । ग्रह लोड का लोड में उन्होंने प्रजातंत्र की आधुनिक परिभाषा में लिख दिया प्रजातंत्र को नेता का, नेता के द्वारा और नेता के लिए शासन कहा जा सकता है और यदि विश्वास न हो तो नेता और प्रजा को वर्तमान में देखा जा सकता है। सबसे मजेदार बात उन्होंने जो लिखी है वह वर्चुअल रियलिटी की रियलिटी जिसमें गायों को हरा चश्मा पहनाकर भरमाया जाता है और उससे ज्यादा दूध प्राप्त करने की प्रक्रिया मनोवैज्ञानिक तरीके से प्राप्त कर ली जाती है। इसी तरह हिंदुस्तान की जनता को भी शासन भ्रम में रखकर बहला फुसला लेते हैं। व्यंग्यकार की कथनी और करनी में ज्यादा अंतर नहीं है । उनकी सभी व्यंग्य रचनाओं का उल्लेख किया जाना संभव नहीं है। व्यंगकार अपने व्यंग्य के माध्यम से पाठकों में बौद्धिक प्रभाव छोड़ने में सफल हुए हैं।व्यंग्य संपूर्ण तौर पर कहीं पूरी सादगी से और कहीं पर संपूर्ण इंटेलेक्चुएलटी के साथ धमक देतें हैं। यह व्यंग्य संग्रह संतरा गणतंत्र घोर यथार्थवादी है एवं पेशेवर अंदाज में लिखा गया है और पाठक लेखक की रचनात्मक और समाज की विसंगतियों को जिज्ञासावश खोज कर लिखने की जुगत में अन्वेषक भी दिखाई देते हैं। यह भी स्पष्ट है कि अलंकारिक शब्दों और शिल्प के अनावश्यक आकर्षण से लेखक ने अपने को मुक्त रखा है। व्यंग्यकार द्वारा सूचना संसार तथा सूचना के तकनीकी ज्ञान का सम्यक प्रयोग-उपयोग कर रचनाओं को समकालीन भी बनाया है।संतरा गणतंत्र अभिनव प्रयोग वाला व्यंग्य संग्रह है वैसे आप इसे अवश्य पढ़ें और जैसा कि लेखक ने अपनी बात में लिखा है कि आलोचना-समालोचना उनके लिए सदैव अपेक्षित है ।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

टेंशन लेने का नहीं-देने का

मुन्ना भाई एमबीबीए' का एक डायलॉग काफ़ी हिट हुआ था जिसमें वो हर किसी को न घबराने की सलाह देते हुए कहते थे टेंशन लेने का नहीं-देने का...एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाली 26 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट ऐना मात्र चार महीने की नौकरी में यह दबाव इतना बढ़ गया कि इस दबाव ने ऐना की जान ले ली। हर युवा व वरिष्ठ कर्मचारी को मुन्ना भाई एमबीबीएस' फ़िल्म से सीख लेते हुए टेंशन न लेने' की आदत डाल लेनी चाहिए।संजय दत्त की बहुचर्चित फ़िल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस' का एक डायलॉग काफ़ी हिट हुआ था जिसमें वो हर किसी को न घबराने की सलाह देते हुए कहते थे टेंशन लेने का नहीं-देने का'। परंतु शायद उस फ़िल्म में दिये गये संदेश को कुछ लोग गंभीरता से नहीं ले सके। इसीलिए वे मामूली से तनाव को इतना बढ़ा लेते हैं कि वह कभी-कभी जानलेवा भी साबित हो जाता है। इस फ़िल्म ने कठिन परिस्थितियों को गंभीरता से न लेने की सलाह दी। परंतु आजकल के वर्क प्रेशर' व प्रतिस्पर्धा के चलते हर दूसरा व्यक्ति तनाव में दिखाई देता है। इस तनाव का असर न सिर्फ़ उसकी सेहत पर पढ़ता है बल्कि उसके पारिवारिक जीवन में भी तनाव पैदा हो जाता है।पिछले दिनों सोशल मीडिया पर पुणे की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने वाली 26 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट ऐना सेबेस्टियन की माँ की चिट्ठी काफ़ी चर्चा में रही। भारत में इस कंपनी के अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में ऐना की माँ ने इस बात का उल्लेख किया कि किस तरह उनकी पुत्री पर कंपनी ने काम का दबाव बनाया हुआ था। मात्र चार महीने की नौकरी में यह दबाव इतना बढ़ गया कि इस दबाव ने ऐना की जान ले ली। इस दबाव का एक स्पष्ट उदाहरण तब भी दिखा जब ऐना के अंतिम संस्कार में कंपनी में काम करने वाले सहकर्मी भी नहीं पहुँचे। जैसे ही ऐना की माँ का यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, वैसे ही इस बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम कर चुके पूर्व कर्मचारियों ने अपने भयानक अनुभव भी साझा किए। जैसे ही मामले ने तूल पकड़ा वैसे ही कंपनी की ओर से वर्क प्रेशर' का खंडन किया गया। इसके साथ ही सरकार ने भी इस मामले में जाँच बैठा दी है।ऐना की मृत्यु ने आज के कॉर्पोरेट जगत में कई सवाल खड़े कर दिये हैं। इस दुखद घटना के बाद कई तरह की प्रतिक्रियाएँ भी आ रही हैं। दरअसल वर्क प्रेशर' के बढ़ते हुए तनाव के कारण दुनिया भर से ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जहां प्रतिस्पर्धा की दौड़ में आगे रहने के चलते कई लोगों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। चीन में एक व्यक्ति ने लगातार 104 दिनों तक बिना किसी छुट्टी के काम किया और अंततः शरीर के कई अंगों की विफलता के कारण उसकी मौत हुई। वहाँ की अदालत ने उस व्यक्ति की कंपनी को उसकी मौत का 20 प्रतिशत तक ज़िम्मेदार ठहराया। वहीं अमरीका के एक बैंक कर्मचारी की मृत्यु का कारण भी उसके काम का दबाव ही बना। ऐसे अनेकों उदाहरण हैं जहां कर्मचारियों से अधिक काम करवाने के चलते ऐसे हादसे हो रहे हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन के आँकड़ों के अनुसार दुनिया भर में काम के दबाव व तनाव के चलते प्रतिवर्ष करीब 7.50 लाख लोगों की मृत्यु होती है। ऐसा इसलिए होता है कि अधिक काम करने का सीधा प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ता है। काम का तनाव लेने से मनुष्य में हृदय रोग, डायबिटीज़ व स्ट्रोक जैसी घातक बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। इतना ही नहीं आज के सूचना प्रौद्योगिकी के दौर में जब हम घंटों कंप्यूटर के सामने बैठ कर काम करते हैं तो हमारे जोड़ो में जकडऩ, कमर में दर्द, सरदर्द, आँखों में थकान, जैसे प्रारंभिक लक्षण भी दिखाई देते हैं। तनाव के चलते हमारे शरीर में ऐसे रसायन पैदा हो जाते हैं जो रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल को भी बढ़ा देते हैं। इसलिए हम चिड़चिड़े भी हो जाते हैं।तनाव के चलते जब गाड़ी चलाकर हम अपने दफ़्तर से घर या घर से दफ़्तर जा रहे होते हैं तो ऐसे में दुर्घटना होने की संभावना भी बढ़ जाती है। मोबाइल फ़ोन और ईमेल के चलते हम हर समय अपने काम से जुड़े रहते हैं इसलिए हमें काम से आराम नहीं मिल पाता। ऐसे तनाव का सीधा अनुभव आपको उस समय होता होगा जब आपके मोबाइल पर आपके बॉस का फ़ोन बजता होगा। आप यदि अपने घर पर हों और परिवार के साथ समय बिता रहे हों, तभी आपके बॉस का फ़ोन बजे तो आपके चेहरे पर एक अजीब से तनाव की झलक मिल जाती है। ऐसे में पारिवारिक सुख को भी झटका लगता है।जानकारों के अनुसार, सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करने वालों

में तनाव बढने की संभावना अधिक होती है। यह तनाव अन्य बीमारियों को बढ़ावा देता है। परंतु इसका मतलब यह नहीं है कि आपको कामयाब होने के लिए कम मेहनत करनी चाहिए। बिना मेहनत के किसी को कामयाबी नहीं मिलती। इसलिए हमें परिश्रम और अतिश्रम के बीच एक को चुनना चाहिए। परिश्रम किया जाए तो एक सीमा के तहत ही किया जाए। आपको अपने शरीर की क्षमता अनुसार ही काम करना चाहिए। समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जाँच भी करवाते रहना चाहिए। इसके साथ ही नियमित रूप से तनाव-मुक्ति के कई साधन, जैसे योगा, ध्यान, भजन, मनोरंजन आदि का भी सहारा लेना चाहिए।वहीं अगर इम्प्लॉयर की बात करें तो उन्हें भी अपने लक्ष्य की पूर्ति के चलते कर्मचारियों पर दबाव बनाना पड़ता है। परंतु यह दबाव भी एक सीमा तक ही दिया जाए। आज हमारे समाज को काम और आराम के बीच एक संतुलन बनाने की ज़रूरत है। वरना ऐना सेबेस्टियन जैसे कई और होनहार कर्मचारियों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ेगा। आजकल के युवा भी जल्द कामयाबी पाने के चक्कर में काम और आराम में संतुलन नहीं बना रहे हैं। इसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसलिए हर युवा व वरिष्ठ कर्मचारी को मुन्ना भाई एमबीबीएस' फ़िल्म से सीख लेते हुए टेंशन न लेने' की आदत डाल लेनी चाहिए।

-रजनीश कपूर-

राजनैतिक दलों के बिगड़े बयान,क्यों ?कैसे रुके ?

इधर कुछ दिनों से भारत के राजनैतिक दल एक दूसरे के हर काम की समीक्षा करते हुए दूसरे दलों की आलोचना करते हैं । यह ऐसा ही है मानों हम अपने पड़ौसी के घर बने खाने की ताक-झांक करते हैं और कहें कि इन्होंने भिण्डी की सब्जी क्यों बनाई? या इन्होंने दाल मसूर की क्यों बनाई? अब यह आपके पड़ौसी के घर का मामला है, आपको इससे क्या लेना ! अब आतिशी के दिल्ली के मुख्यमंत्री बनने पर कांग्रेस और अन्य दल अनेक प्रकार की बयानबाजी कर रही है । अभी लोकसभा चुनाव में आप पार्टी ने दिल्ली में कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया था । कन्हैया कुमार तो सुनीता केजरीवाल से भी मिला था । विगत सम्बन्धों को देखते हुए कुछ तो संयम और मर्यादा बरतनी चाहिए । भाजपा के प्रवक्ता तो अब जरा जरा सी बात पर सभी गैर भाजपा पार्टी पर बिफर पड़ते हैं । अरे, अगर भाजपा को दिल्ली जीतनी है तो जनता के पास जायें । पिछले दो चुनाव में कांग्रेस को तो दिल्ली विधानसभा में एक भी सीट नहीं मिली और भाजपा को एक बार मात्र तीन और दूसरी बार छः या सात सीटें मिलीं । असल निर्णायक जनता होती है । शायद भाजपा के प्रवक्ता समझते हैं कि सभी विपक्षी पार्टियों की आलोचना करने पर मोदी जी खुश हो जाएंगे । आजकल संबित पात्रा नहीं दिखलाई पड़ते । 2019 के लोकसभा चुनाव में वे पुरी(उड़ीसा) से हार गये थे । इस बार जीत गये परन्तु इसका बड़ा कारण यह था कि कांग्रेस की महिला प्रत्याशी ने चुनाव के लिए प्रचार किया ही नहीं । उन्होंने अपना नाम भी वापस नहीं लिया और चुनाव लड़ा भी नहीं । शायद संबित पात्रा उड़ीसा के मुख्यमंत्री बनना चाहते हों या केन्द्रीय मंत्रिमंडल में जगह । अब भाजपा के प्रवक्ता कह रहे हैं कि आतिशी के माता-पिता अफजल गुरु का साथ दे रहे थे । अब अफजल गुरु की फांसी को मेहबूबा मुफ्ती भी ग़लत बतलाती हैं जिसके साथ भाजपा ने मिलकर कश्मीर में सरकार बनाई थी । इधर राहुल गांधी के बारे में भाजपा प्रवक्ता, महाराष्ट्र के मंत्री आदि ऐसी-ऐसी बातें कह रहे हैं जो कानून का खुला उल्लंघन है । परन्तु इस पर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व कुछ नहीं बोल रहा है । स्वयं स्वयं प्रधानमंत्री जी ने कहा है कि कांग्रेस को भी उनके गणेश पूजन पर भी आपत्ति है । असल में मुद्दा यह है कि प्रधानमंत्री गणेश उत्सव पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के घर गये थे । वहां शायद पूजन चल रहा होगा तो उन्होंने उस पर भाग ले लिया । इस पर किसी को क्या आपत्ति हो सकती है । असल प्रश्न है प्रशासन और जुडीशियरी का अलग-अलग रहना । कोई यह नहीं कह रहा है कि प्रधानमंत्री कहीं जा नहीं सकते । वे देश के सर्वोच्च नेता हैं । उन पर कोई पाबंदी नहीं लगा सकता । परन्तु अच्छा होता कि मुख्य न्यायाधीश के घर न जाकर उनसे कहीं और किसी मीटिंग में मिल लेते । अब कहते हैं कि मनमोहन सिंह की इफ्तार पार्टी में भी तो सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश गये थे । शायद यह भी ठीक नहीं कहा जा सकता । अपना नाम घोषित नहीं करने की शर्त पर अनेक रिटायर्ड जजों का कहना है कि चाहे शिष्टाचारवश ही क्यों न हो जुडिशरी और प्रशासन के मुख्य प्रमुख गैर सार्वजनिक अवसरों पर न मिलें । सुप्रीम कोर्ट में बहुत से मुकदमे केन्द्रीय सरकार के विरुद्ध भी होते हैं ।असल में आज के प्रधानमंत्री और आज के मुख्य न्यायधीश इतने सच्चे और कर्तव्य परायण हैं कि उन पर शक करना बहुत गलत है और शिष्टाचार के भी विरुद्ध है । फिर भी न्याय कहता है कि न्याय होतेभी दिखलाई पडऩा चाहिए । यदि यह सिद्धांत मान्य हो तो फिर दोनों का मिलना नहीं होना चाहिए । परन्तु चाहे पक्ष हो या विपक्ष ऐसी बातों को हवा देना बिल्कुल ग़लत है । अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि कोई प्रधानमंत्री या मुख्य न्यायाधीश पर कोई टिप्पणी करें । हम दैनिक अजय भारत इस मुद्दे पर कुछ भी नहीं कहना चाहते । केवल कहते हैं कि प्रवक्ताओं को संयम बरतना चाहिए ।

-अजय दीक्षित-

सजा देने का काम पुलिस का नहीं

भारत में या किसी भी सभ्य समाज में मुठभेड़ में या पुलिस और न्यायिक हिरासत में आरोपियों या अपराधियों का भी मारा जाना समूची व्यवस्था के ऊपर धब्बा होता है। यह अपराध न्याय प्रणाली और समाज व्यवस्था पर कलंक है। किसी भी व्यक्ति के ऊपर आरोप चाहे जितने भी गंभीर हों लेकिन उसे सजा देने का काम पुलिस का नहीं है। उसे कानून के हिसाब से अदालत से सजा मिलेगी। पुलिस को न्याय करने का अधिकार नहीं है। और पुलिस की इन मासूम कहानियों का भी कोई अर्थ नहीं होता है कि हथकड़ी में बंद आरोपी ने पुलिस वालों से हथियार छीन लिए या भागने की कोशिश की और इस क्रम में पुलिस के हाथों मारा गया।इस तरह की मनोहर कहानियां समूची न्याय व्यवस्था का मजाक उड़ाने वाली होती हैं। लेकिन हैरानी की बात है कि अदालतें आमतौर पर इन कहानियों पर यकीन कर लेती हैं। यह अच्छा है कि महाराष्ट्र के बदलापुर में अक्षय शिंदे की इनकाउंटर में हुई हत्या की कहानी पर हाई कोर्ट को यकीन नहीं हुआ है। अदालत ने कहा है कि पुलिस की कहानी में इतने झोल हैं कि उस पर यकीन करना मुश्किल है। परंतु जब अदालतें पुलिस की कहानियों पर यकीन नहीं करती हैं तब भी थोड़ी बहुत फटकार या सख्ती के बाद बात आई गई हो जाती है।इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कोई ठोस पहल नहीं होती है। ध्यान रहे भारत में फर्जी मुठभेड़ को अपराध और मौलिक अधिकार का उल्लंघन माना जाता है लेकिन राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के एक पुराने आंकड़े के मुताबिक 2002 से 2017 के बीच भारत में 1,728 फर्जी इनकाउंटर हुए थे। बहरहाल, असली मुठभेड़ आतंकवादियों के साथ होती है या नक्सलियों के साथ होती है। असली मुठभेड़ दंतेवाड़ा में होती है, जहां बहादुर जवान जान गंवाते हैं। असली मुठभेड़ जम्मू कश्मीर में होती है, जहां इस साल जुलाई में 10 जवान शहीद हुए हैं। असली मुठभेड़ मुंबई पर हुए आतंकी हमले के समय हुई थी, जिसमें मुंबई पुलिस के अनेक डेकोरेटेड और जांबाज अधिकारी शहीद हुए थे। इस राज्य या उस राज्य की पुलिस जो मुठभेड़ करती है, जिसमें किसी पुलिस वाले की बांह में या किसी की जांघ में गोली लगती है वह आमतौर पर फर्जी होती है। अगर राज्यों की पुलिस की एसटीएफ या एटीएस के ये जवान इतने ही जांबाज हैं तो इनको तत्काल बस्तर और दंतेवाड़ा में या कश्मीर और मणिपुर भेजा जाना चाहिए।हकीकत यह है कि राज्यों में बनी ज्यादातर एसटीएफ या एटीएस का काम कानून व्यवस्था पर राज्य की सरकारों के लिए धारणा बनाने या धारणा को नियंत्रित करने का हो गया है। जब कानून व्यवस्था का सवाल उठता है और लोग नाराज होते हैं तो ये लोग कुछ आरोपियों को मुठभेड़ में मार गिराते हैं। इसके लिए उन्हें इनाम इकराम मिलते हैं। समाज में कुछ लोग इनके लिए तालियां बजाते हैं लेकिन उनको नहीं पता होता है कि वे एक भस्मासुर पैदा कर रहे हैं, जिसका शिकार वे खुद भी हो सकते हैं।

-अजीत द्विवेदी-

नवरात्रि उपासना

-मोनिका डागा
आनंद ,
चेन्नई,
तमिलनाडु

साधना काल का हुआ मंगल शुभारंभ,
कर लो अंतकरण की शुद्धि को प्रारंभ,
असाध्य कष्टों से है मुक्ति का दिव्य मार्ग,
नवरात्रि उपासना से सवंरते सबके भाग्य ।
माता की आराधना से चमकता ललाट है,
प्रारब्ध कर्मों की ये साधना रामबाण काट है,
जप तप ध्यान चितमन हो निश्चित फलदाई,
जगदंबे करूणामयी देवी दुर्गे शक्ति महामाई ।
भक्तों की पुकार अवश्य सुनती मात अंबिके,
दुखों को दूर करती जगत जननी जगदंबिके,
मां सा कोई नहीं जगत में कोई और दयालु,
भयमोचनी मां शक्ति प्रदायिनी परम कृपालु ।
अवगुणों से विरक्ति का पावन समय है आया,
पवित्र होगा मन,संग संगस्वस्थ निरोगी काया,
मां की स्तुति जो जन करता है पूर्ण विश्वास से,
भर जाता उसका घर बार आनंद निधियों से ।
अवसर आया बहुत खास मां की लग्न लगा लो,
अखंड ज्योति जला के दिव्य प्रकाश जगा लो,
मैया शेरावाली पूरी करती सभी की कामनाएं,
शुद्ध शाश्वत अगर होती हैं जीव की भावनाएं ।

सेवा सियान के

घटती-घटना
प्रिया देवांगन
राजिम,गरियाबंद (छत्तीसगढ़)

रखै नहीं सेवा भाव, चढ़े रथे रोज ताव,
जियत मा रोज रोज, झगरा मतात हे।।
आड़ी कॉड़ी करै नहीं, कोनो कोती टरै नहीं,
बेटा बहू गारी दे के, आँखी ला देखात हे।।
नीम कस करू बोली, भूलगे हँसी ठिठोली,
बूढ़त मा डोकरी ला, बड़ तरसात हे।।
भात साग देवैं नहीं, सुध कोनो लेवैं नहीं,
खटिया मा परे रथे, परोसी बतात हे।।
दाई अब बोझा होगे, बूढ़त मा दुःख भोगे,
अँचरा मा ऑसू पोंछ, पीरा लो लुकात हे।।
मोह माया छूटगे हे, मन अब टूटगे हे,
धुक धुक हिया करे, देह घुन खात हे।।
झन कर अपमान, महतारी हे सियान,
बेटा बन राम कस, प्रियू समझात हे।।
बहू कर सास सेवा, मिलही अबड़ मेवा,
तोरो होही इही गति, समय के बात हे।।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

नवरात्र के पहले दिन देवी मंदिरों में लगी रही श्रद्धालुओं की भीड़

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

नवरात्रि के प्रथम दिवस माता के शैलपुत्री स्वरूप की पूजा की गई। शैलपुत्री का अर्थ पहाड़ों वाली माता होता है। माता के इस स्वरूप की पूजा से भक्तों की मुरादें पूरी होतीं हैं। काफी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने मां के इस रूप की पूजा कर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं पहले दिन मां का खास श्रृंगार किया गया। इसके बाद शुभ मुहूर्त में मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए गए। महामाया मंदिर, समलाया मंदिर, मां दुर्गा शक्तिपीठ गांधी चौक, संत हरकेवल मंदिर, काली मंदिर, रघुनाथपुर मंदिर, शीतला मंदिर सहित शहर के सभी देवी मंदिरों में माता की आराधना करने श्रद्धालु पहुंचे। मंदिरों में देवी भागवत कथा, दुर्गा पाठ व भजन-कीर्तन किया जा रहा है। मां के दर्शन के लिए सुबह से ही महामाया मंदिर सहित दुर्गा मंदिर, गौरी मंदिर व अन्य मंदिरों में श्रद्धालओं की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई थी। सुबह से नवरात्रि के प्रथम दिवस हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। दोपहर में माता के मंदिर में मुख्य कलश स्थापित करने के बाद मंत्रोच्चारण के साथ ही विधिवत पूजन हुआ। इसके बाद सैकड़ों ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए गए। माता के दरबार में ज्योत जलाकर भक्त मनौती पूरी होने की कामना करते नजर आए। सरगुजा रियासत व मां महामाया मंदिर के पुरोहित ने मंदिर में घट स्थापना कर अंबिकापुर कीं आराध्य मां महामाया की पूजा की। इस दौरान आम लोगों के लिए मंदिर का द्वार बंद कर दिया गया। लगभग 1 घंटे बाद माता का दरबार खुला और लोगों ने दर्शन किए। इसके बाद विधिवत पूजा-अर्चना कर मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए गए। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर देवी मंदिरों के अलावा लोगों ने अपने-अपने घरों में भी देवी पाठ किया। कई घरों में पूरे नौ दिनों तक दुर्गा पाठ व पूजा अर्चना की जाएगी। वहीं कई भक्त पूरे नौ दिनों तक उपवास रख कर नवरात्रि का व्रत रखते हैं। नौवें दिन पूर्णाहुति के बाद अपना व्रत तोड़ेंगे। शहर के विभिन्न समितियों द्वारा नौ दिनों तक मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की जाती है। प्रथम दिवस जयस्तंभ चौक, ब्रम्ह रोड, सदर रोड, दर्रीपारा, सांड़बार बैरियर, कुंज विहार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सरगवां, मायापुर, चांदनी चौक, विभिन्न जगहों पर विधिवत पूजा-अर्चना के बाद मंत्रोच्चारण के साथ माता की प्रतिमा स्थापित की गई।

शादी का झांसा देकर युवती का दौहिक शोषण,आरोपी गिरफ्तार

- सवाददाता -
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

युवती को प्रेम जाल में फंसाकर व शादी करने का झांसा देकर 16 महीने तक दौहिक शोषण किया। इस दौरान पीड़िता गर्भवती हो गई। युवक ने जबरन पीड़िता का गर्भपात करा दिया था। इसके बाद युवक पीड़िता से शादी करने से इंकार कर दिया और उसे जान से मारने की धमकी देने लगा। पीड़िता ने 5 सितंबर को मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस न आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार पीड़िता की जान पतचान एक वर्ष पूव्र भिट्ठीकला निवासी संजय राजवाड़े से हुई थी। आरोपी पीड़िता से शादी करने व प्रेम जाल में फंसाकर 4 अप्रैल 2023 से 12 अगस्त 2024 तक पीड़िता का दौहिक शोषण करता रहा। इस बीच पीड़िता गर्भवती हो गई। पीड़िता की गर्भवती होने की जानकारी पर युवक ने उसका 4 जुलाई 2023 को गर्भपात करा दिया था। इसक बाद युवक पीड़िता से शादी करने से इंकार कर दिया और उससे बात चीत करना बंद कर दिया। पीड़िता द्वारा शादी करने के लिए दबाव डालने पर उसे जान से मरवाने की धमकी दे रहा था। परेशान होकर पीड़िता ने 5 सितंबर को मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है।

गर्भवती होने पर शादी से कर दिया इंकार,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

राजस्थान का एक युवक अनुसूचित जनजाति के युवती को प्रेम जाल व शादी करने का झांसा देकर पिछले एक वर्ष से दौहिक शोषण कर रहा था। युवती को गर्भवती होने पर वह शादी से इंकार कर दिया था। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार पीड़िता का जान पहचान ग्रांम चूरू राजस्थान निवासी भवानी सिंह नरूका से थी। युवक अंबिकुपर में रहेकर कारमेंटर का काम करता था। युवक ने पीड़िता को प्रेम जाल में फंसाकर व शादी करने का झांसा देकर वर्ष 2023 से दौहिक शोषण कर रहा था। इस दौरान पीड़िता गर्भवती हो गई। गर्भवती होने की जानकारी होने पर भवानी सिंह ने पीड़िता से शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़िता ने 24 अगस्त को मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

रामानुजगंज डकैती मामले में मोनू का भाई सोनू निकला मास्टर माइंड,6 सदस्य गिरफ्तार

- संवाददाता -
रामानुजगज,03 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

रामानुजगंज निवासी भाजपा पार्षद राजेश सोनी का राजेश ज्वेलर्स दुकान स्थित है। यहां 11 सितंबर की दोपहर करीब डेढ़ बजे पिस्टल व कट्टा लेकर 3 युवक घुसे थे। दुकान में घुसते ही एक युवक ने काउंटर पर बैठे संचालक राजेश सोनी को पिस्टल की नोंक पर कब्जे में ले लिया और मारपीट शुरु कर दी। इस दौरान उसने उनके सिर पर पिस्टल के बट्ट से प्रहार कर घायल कर दिया था। इस दौरान उनका एक कर्मचारी व ग्राहक पति-पत्नी भी मौजूद थे। उन्हें किनारे कर 15 मिनट के भीतर 5 करोड़ के सोने-चांदी की ज्वेलरी व 7 लाख रुपए कैश लेकर झारखंड की ओर फरार हो गए थे। इस दौरान बाइक पर 2 अन्य साथी भी दुकान के बाहर खड़े थे, वे भी भाग निकले थे। दुकान संचालक ने 2 करोड़ 85 लाख रुपए का जेवर व 7 लाख कैश लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात डकैतों के खिलाफ धारा 309 (6) बीएमएस,25,27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने 20 दिन बाद झारखंड के बुकिया गैंग के मास्टर माइंड व उसकी गर्लफ्रेंड समेत 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से डकैती किया गया अधिकांश सोना व कैश बरामद कर लिया है।

डकैती कांड के मामले का खुलासा गुरुवार को नव पदस्थ एसपी आईपीएस वैभव बेंकर ने की। उन्होंने बताया कि वारदात को अंजाम देने से पूर्व अंतरराज्यीय बुकी गैंग के सदस्यों ने 3 दिन तक रेकी की थी। डकैती का प्लान उन्होंने झारखंड में ही बनाया था। बुकी गैंग का सरगना झारखंड के पलामू जिले के थाना व ग्राम चैनपुर निवासी सोनू सोनी उर्फ आनंद निकला। उसने अपने छोटे भाई मोनू सोनी उर्फ राज उर्फ बुकी को राजेश ज्वेलर्स में डकैती की वारदात को अंजाम देने का जिम्मा दिया था।एसपी ने बताया कि 11 सितंबर की दोपहर प्लान के मुताबिक आरोपी मोनू सोनी उर्फ बुकी अपने 4 अन्य साथियों के साथ रामानुजगंज पहुंचा। राजेश ज्वेलर्स में मोनू सोनी, राहुल कुमार मेहता व एक अन्य पिस्टल लेकर घुसे थे। लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद पांचों बाइक से बरवाडीह रेलवे स्टेशन पहुंचे। यहां पहले से गैंग का सरगना सोनू सोनी व डब्लू गुप्ता बोलेरो वाहन लेकर खड़े थे। यहां सभी ने लूटी गई सोने की ज्वेलरी व कैश का बंटवारा किया। यहां से अपना हिस्सा लेकर आरोपी राहुल मेहता व राधेश्याम पासवान पटना चले गए। बरवाडीह रेलवे स्टेशन के पास से सोनू, मोनू अपने मामा अरविंद सोनी उर्फ आनंद से मिले। यहां उन्होंने कुछ सोने को गला अपने गृहग्राम चैनपुर ले गए और जमीन में गाड़ दिया था। कुछ सोने को मामा अरविंद के माध्यम से बेचकर 5 लाख 80 हजार रुपए सोनू ने अपनी गर्लफ्रेंड चंडीगढ़ मोहाली निवासी अंजनी एक्का के खाते में डाल दिया था। जिसे पुलिस ने विवेचना के दौरान फ्रीज करा दिया था। अरविंद ने अपने हिस्से के जेवर को दुकान व घर में छिपा रखा था जबकि आरोपी राहुल ने अपने गांव महावीरगंज में नदी किनारे सोने को गाड़ दिया और विक्की सिंह ने अपने घर के टीन शेड में ज्वेलरी छिपा दी थी। पुलिस ने आरोपी सोनू सोनी व मोनू सोनी को दिल्ली से वहां की पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया। उनसे पूछताछ में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने सोनू की गर्लफ्रेंड को चंडीगढ़ के मोहाली से गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों में झारखंड के पलामू जिला अंतर्गत ग्राम चैनपुर निवासी मोनू सोनी उर्फ राज सोनी उर्फ बुकिंग 24 वर्ष, उसका भाई सोनू सोनी उर्फ आनंद 30 वर्ष, सोनू का मामा ग्राम चैनपुर निवासी अरविंद सोनी, बिहार के अंबा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम महावीरगंज निवासी राहुल कुमार मेहता 22 वर्ष, अंबा थाना क्षेत्र के ग्राम जमुआ निवासी विक्की सिंह 24 वर्ष तथा सोनू की गर्लफ्रेंड अंजनी एक्का चंडीगढ़, मोहाली शामिल हैं। वहीं आरोपी राधेश्याम पासवान व डब्ल्यू गुप्ता फरार हैं।

महात्मा गांधी के अहिंसा परमो धर्म मंत्र से ही रोका जा सकता है युद्ध का माहौल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस एवं सरगुजा जिले के स्वैच्छिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में संचालित नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के सदस्यों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155 वें जयंती पर गांधी चौक स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर संगोष्ठी कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। साहित्यकार कवि संतोष दास ने कहा कि महात्मा गांधी और उनके सिद्धांत भारत के लिए ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रासंगिक है। वर्तमान परिस्थितियों में पूरे विश्व में जो युद्ध का माहौल बना हुआ है। उसे केवल महात्मा गांधी के अहिंसा परमो धर्म मंत्र द्वारा ही रोका जा सकता है। समाजसेवी मंगल पाण्डेय संयोजक नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान ने कहा कि महात्मा गांधी जी का जीवन ही हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। उनके सिद्धांतों को अमल करने से ही व्यक्तिगत एवं सामाजिक विकास सम्भव होगा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केन्द्र की संचालिका विद्या दीदी ने कहा कि स्वच्छता ही जीवन के विकास का मुख्य आधार है। महात्मा गांधी स्वच्छता पर बहुत जोर देते थे। आज हम सभी उनके जयंती के अवसर पर स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की शपथ लें। वन्दना दत्ता ने अपने कहा कि गांधी जी के सपनों का राम राज्य बनाने के लिए नशामुक्त समाज बनाना होगा। कवि संतोष दास के नेतृत्व में भजन वैष्णव जन तो तेने कहिए, जो पीर पराई जाने रे एवं रघुपति राघव राजा राम की सामूहिक सस्वर प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के समन्वयक अनिल कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। इस दौरान अजय तिवारी, जानकी सिंह,सुनिधि शुक्ला,ब्रम्हा कुमारी ज्योति बहन,सुल्ताना सिद्धकी, रसीदा खातून,हिना खान, रीना ठाकुर, रश्मि सोनी, संगीता सोनी,रानी सोनी, अनामिका सोनी, आरती प्रधान ,अर्पित प्रधान, अनय प्रधान,शहनाज़ ,चंद्रकांता पाण्डेय, उमा शंकर पाण्डेय, अमृत लाल प्रधान, अधिवक्ता व समाजसेवी विजय शंकर तिवारी जी, रणधीर सिंह ,विशाल शर्मा का सराहनीय योगदान रहा।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री साप्ताहिक जनदर्शन को नियमित रूप से आयोजित कराने सूजन बिन्द ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

सामाजिक कार्यकर्ता व विधायक प्रत्याशी 2023 सुजान बिन्द प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद से मुख्यमंत्री निवास रायपुर छत्तीसगढ़ में प्रत्येक गुरुवार को जनदर्शन का आयोजन किया जाता है जिसमें प्रदेश के कोने-कोने से हर वर्ग लोग अपनी समस्याओं की निराकरण की आशा से जनदर्शन में आते हैं किंतु वर्तमान में सत्तारूढ़ विष्णुदेव की सरकार द्वारा अचानक जनदर्शन स्थगित की जाने से आम जनता को भारी आर्थिक,मानसिक और शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी तरह से जनदर्शन न करने व पब्लिक से दूरी बनाएं रखने के कारण भूपेश सरकार को हार की मुंह देखनी पड़ी थी,निकट भविष्य में प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव व नगरीय निकाय के चुनाव भी संपन्न होने हैं यदि विष्णु सरकार के इस रवैया में सुधार नहीं होता तो निश्चित ही सरकार व पार्टी को भारी हार की मुंह देखनी पड़ेगी जिससे इंकार नहीं किया जा सकता। विनम्र निवेदन है की छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को हर हाल में साप्ताहिक जनदर्शन आयोजित करने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें, यदि किसी कारणवश जनदर्शन में माननीय मुख्यमंत्री की उपस्थिति संभव हो ना हो सके तो उपमुख्यमंत्री द्वारा या अन्य मंत्री जिन पर इन्हें विश्वास होने जनदर्शन आयोजित कराया जाए।

अग्रसेन जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा,समाज के लोग हुए शामिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

अग्रसेन जयंती पर गुरुवार को शहर में भव्य शोभा यात्रा धूमधाम से निकल गई। शोभा यात्रा में 5-6 विंटेज कार जो आकर्षण का केंद्र रही। उन विंटेज कार में अग्रसेन महाराज के 18 पुत्र सवार थे। जो मुख्य आकर्षण का केंद्र थे। शोभायात्रा के दौरान अग्रसेन चौक में भव्य आतिशबाजी करते हुए महाआरती की गई। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में अग्र बंधु शामिल हुए। बच्चों महिलाओं और बुजुर्गों की भी बढ़-चढक़र भागीदारी देखी गई।

अग्रसेन जयंती को लेकर गुरुवार को तडक़े 5 बजे अग्रसेन भवन से समाज के लोगों ने प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी अग्रसेन भवन से होते हुए शहर के मुख्य मार्गो से होकर वापस अग्रसेन भवन पहुंची। सुबह 8 बजे विधि विधान से पूजा अर्चना और हवन किया गया। इसके पश्चात अग्र भोज और सामूहिक भंडारा का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। दोपहर 3 बजे के लगभग अग्रसेन भवन से विशाल शोभा यात्रा निकली गई। शोभा यात्रा अग्रसेन चौक होते हुए राम मंदिर रोड, ब्रह्म रोड ,संगम चौक ,महामाया चौक होते हुए मयूरा होटल पहुंची।

शोभा यात्रा में नासिक ढोल ने जहां धूम मचाया, वही विंटेज कार में अग्रसेन महाराज के 18 पुत्रों की सवारी लोगों को आकर्षित करती हुई नजर आई। शोभायात्रा में पहली बार विंटेज कार लोगों को देखने को मिली। इसके साथ-साथ अग्रसेन महाराज और माता माधवी के साथ माता लक्ष्मी की झांकी दिखाई दी। पूरे शोभा यात्रा में बड़ी ट्रक के ऊपर लाइव ऑर्केस्ट्रा की व्यवस्था भी की गई थी। लाइव ऑर्केस्ट्रा की धुन पर अग्र समाज के लोग उत्साह में नाचते गाते हुए नजर आए। एक रुपए एक ईंट का संदेश वाहन भी शोभायात्रा में जहां आकर्षण का केंद्र था वहीं इसके साथ-साथ गौशाला की वाहन भी शोभा यात्रा में शामिल थी। शोभा यात्रा कैसे पूरे आयोजन के दौरान अग्र समाज के पुरुष वर्ग ने सफेद कुर्ता पैजामा और महिलाएं हरे रंग के परिधान में नजर आईं। शोभा यात्रा के बाद होटल मयूरा में प्रश्न मंच और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में द्वारका प्रसाद केडिया,प्रदीप कुमार अग्रवाल, मुरारी लाल बंसल, लखीराम अग्रवाल,रमेश बंसल ,आनंद अग्रवाल, विनोद अग्रवाल ,अजय अग्रवाल, कृष्ण कुमार अग्रवाल, अग्रवाल सभा के उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल सहसचिव पवन अग्रवाल कोषाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल लेखा परीक्षक राजेश अग्रवाल संजय जलान, प्रवक्ता मनोज अग्रवाल, किरण सुल्तानिया, पुष्पा अग्रवाल, सुमित्रा अग्रवाल, कलावती अग्रवाल, अग्रवाल महिला सभा की अध्यक्ष उमा अग्रवाल, उपाध्यक्ष मनीषा गोयल, रेनू गोयल, सचिव मंजू गोयल, सहसचिव रेखा अग्रवाल ,कोषाध्यक्ष ममता अग्रवाल, सीमा गर्ग, कविता तायल सहित अन्य मौजूद थे।

कुरीतियों से दूर रहने की अपील

आयोजन के दौरान श्री अग्रवाल सभा के अध्यक्ष संजय मित्तल ने उपस्थित समाज के लोगों को संबोधित करते हुए सभी को अग्रसेन जयंती की बधाई दी। इसके साथ-साथ 11 दिवसीय महोत्सव में लोगों द्वारा बढ़ चढक़र हिस्सा लेने पर सबको धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने अग्रोहा धाम के लिए सभी से सहयोग की अपील की। इसके साथ-साथ प्री-वेडिग शूट का विरोध करते हुए सभी को इस कुरीतियों से दूर रहने वह समाज से इसे हटाने की अपील की। उपाध्यक्ष शुभम अग्रवाल ने सभी को जयंती की बधाई देते हुए कहा कि हम सभी लक्ष्मी पुत्र होने के साथ श्री राम के वंशज भी है। इसलिए हमें क्षत्रिय धर्म का भी पालन करना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में समाज की रक्षा के लिए हमें तत्पर रहना चाहिए। मंच का संचालन सचिव संजय अग्रवाल ने किया।

CMYK

नेपाल,भारत,बांग्लादेश के बीच त्रिपक्षीय समझौता,सीमा पार बिजली व्यापार को सुविधाजनक बनाने की कवायद

काठमाडू,03अक्टूबर 2024। नेपाल, भारत और बांग्लादेश ने गुरुवार को सीमा पार बिजली व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस समझौते के अनुसार, नेपाल 15 जून से 15 नवंबर तक बरसात के मौसम में हर साल भारत के माध्यम से अपनी अधिशेष बिजली बांग्लादेश को निर्यात करेगा।

भारत की ट्रांसमिशन लाइन का किया जाएगा उपयोग

नेपाल अपने क्षेत्र के माध्यम से बांग्लादेश को बिजली वितरित करने के लिए भारत की ट्रांसमिशन लाइन का उपयोग करेगा। पहले चरण में, नेपाल भारतीय क्षेत्र के माध्यम से बांग्लादेश को 40 मेगावाट पनबिजली निर्यात करेगा। बिजली की प्रति यूनिट दर 6.4 सेंट तय की गई है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के अधिकारियों ने कहा कि बिजली के निर्यात से नेपाल को सालाना लगभग 9.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर की आय होगी।

नेपाल से 40 मेगावाट बिजली आयात करने को मंजूरी

मुजफ्फरपुर में मीटरिंग पॉइंट के साथ धालकेबर-मुजफ्फरपुर 400 केवी ट्रांसमिशन लाइन के माध्यम से बांग्लादेश को बिजली निर्यात की जाएगी। 6 दिसंबर, 2023 को, बांग्लादेश की कैबिनेट आर्थिक मामलों की समिति ने नेपाल से 40 मेगावाट बिजली आयात करने को मंजूरी दी। यह समझौता मूल रूप से 28 जुलाई के लिए निर्धारित था, जिसे बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल और सरकार में बदलाव के कारण स्थगित कर दिया गया था।

एमओयू के दौरान मौजूद रहे ये अधिकारी

ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, इस समझौते की तैयारी के लिए मंगलवार और बुधवार को काठमांडू में ऊर्जा सचिव और संयुक्त सचिव स्तर की बैठकें हुईं। वहीं नेपाल के ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि एनईए के कार्यकारी निदेशक कुलमन घीसिंग, एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम के सीईओ डीनो नारन और बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष मोहम्मद रिजवान करीम के बीच काठमांडू में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इस अवसर पर नेपाल के ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का और उनकी बांग्लादेशी समकक्ष सईदा रिजवाना हसन भी मौजूद थीं।

नेपाल ऑयल कॉर्पोरेशन और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के बीच MoU

नेपाल ऑयल कॉर्पोरेशन और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने गुरुवार को दो नई पाइपलाइन परियोजनाओं के निर्माण के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो दोनों पड़ोसी देशों के बीच ऊर्जा साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। सिलीगुड़ी (भारत) से झापा (नेपाल) पाइपलाइन की लंबाई 50 किलोमीटर होगी, जबकि अमलेखगंज से चितवन के लोथर तक एक और पाइपलाइन 62 किलोमीटर लंबी होगी।

इस समझौते के बाद केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक्स पर प्रसन्नता जताई। वहीं IOC के चेयरमैन वी. सतीश कुमार ने कहा कि यह सहयोग मोतिहारी-अमलेखगंज पाइपलाइन की सफलता पर आधारित है और दोनों देशों के लिए ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाते हुए निर्बाध ऊर्जा संपर्क का

चागोस द्वीप समूह मॉरिशस को लौटाएगा ब्रिटेन, आधी सदी तक चलने वाला विवाद खत्म

लंदन, 03 अक्टूबर 2024। ब्रिटेन ने चागोस द्वीप समूह को मॉरिशस को लौटाने का फैसला किया है। यह द्वीप समूह हिंद महासागर में स्थित है और इसमें 60 से अधिक छोटे द्वीप शामिल हैं। चागोस द्वीप समूह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, खासकर यहां स्थित ब्रिटेन और अमेरिका सैन्य ठिकाने डिएगो गार्सिया के लिए। ब्रिटेन सरकार ने कहा कि इस समझौते का समर्थन अमेरिका जैसे अंतरराष्ट्रीय साझेदार ने भी किया है।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा, यह समझौता हमारे महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाने को सुरक्षित करेगा। उन्होंने कहा, इससे वैश्विक सुरक्षा को मजबूत किया जाएगा और हिंद महासागर का इस्तेमाल अवैध प्रवासन के रास्ते के रूप में नहीं होगा। साथ ही यह मॉरिशस के साथ हमारे संबंधों को भी मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, यह दिखाता है कि मॉरिशस के साथ हमारे दीर्घकालिक संबंध हैं, जो हमारा करीबी राष्ट्रमंडल साझेदार भी है।

वहीं, मॉरिशस के विदेश मंत्री मनीष गोबिन ने इसे एक यादगार दिन करार दिया। उन्होंने कहा कि यह मॉरिशस के लिए संप्रभुता का प्रतीक है। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस समझौते की सराहना की है और इसे दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान और शांति व सहयोग का एक उदाहरण बताया है।

7 फीट लंबे जाली में फंसे विशालकाय अजगर का सफल रेस्क्यू

» **वन विभाग की टीम सुरक्षित जंगल में विचरण के लिए छोड़ा**

\- संवाददाता -
उदयपुर, 03 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

रामगढ़ पहाड़ के जंगलों में हाथी, भालू, बंदर हिरण, खरगोश, विभिन्न प्रजाति के सांप अनेक चिड़िया गौरैया, मैना, कौआ, कोयल तथा अन्य जंगली जीव जंतु विचरण करते है इनमें से कुछ भटकते हुए, घरों के नजदीक पहुंच जाते है।

ऐसा ही वाकया गुरुवार की सुबह देखने को मिला जहां एक विशालकाय अजगर जिसकी लंबाई 7 फीट करीब होगी वह रामगढ़ की तराई के जंगलों से होते हुए कलम साय राजवाड़े के घर के सामने स्थित शिव मंदिर परिसर में सुबह सुबह चला आया और वहां के सुरक्षा के लिए लगे जाली में जाकर बुरी तरह फंस गया। वह जितना जाली में घूमता उतना ही फंसता जाता। ये सब देखकर कलम साय ने स्थानीय लड़के प्रदीप राजवाड़े, अनिल सिंह इत्यादि को खबर दी मौके पर प्रताप सिंह, कुंजल राजवाड़े, प्रदीप राजवाड़े, अनिल चंदेल, ननकु पेंटर पहुंचे और उसे लगभग एक घंटे के लंबे संघर्ष के बाद किसी तरह से जाली से छुड़वाया गया।

वन विभाग की टीम को अजगर के घर के जाली में फंसे होने की सूचना मिलने पर वनपाल चंद्रभान सिंह, वन रक्षक दिनेश तिवारी, सहिस कपूर मौके पर आए तथा उसे बोरे में भरकर पांच किलोमीटर दूर बेलढाब चकेरी जंगल में नाला के किनारे छोड़ा गया। जंगल में पहुंचते ही विशालकाय अजगर धीरे धीरे अपने नए आशियाने की तलाश में निकल गया।

अजगर को सुरक्षित छोड़े जाने के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने राहत महसूस की है।

लीग राउंड में ट्राइबल टाइगर ने सरगुजा पुलिस को 2-0 गोल से हराया

\- संवाददाता -
अंबिकापुर,03 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के गांधी स्टेडियम में चल रहे संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के तहत गुरुवार से लीग राउंड प्रारंभ हो गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत एक मैच खेला गया। मैच सरगुजा पुलिस विरुद्ध ट्राइबल टाइगर ए के मध्य खेला गया। मध्यांतर तक दोनों टीम अच्छा खेल का प्रदर्शन करते हुए दोनों टीमें गोल करने में सफल नहीं हुई। मध्यांतर पश्चात ट्राइबल टाइगर ने अच्छे खेल का प्रदर्शन दिखाते हुए टीम के खिलाड़ी इलियास ने पहला गोल कर टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। मैच के अंतिम समय में ट्राइबल टाइगर के ही खिलाड़ी विद्या ने एक और गोल कर टीम को 2-0 पर ला दिया। इस तरह ट्राइबल टाइगर ने 2-0 गोल से सरगुजा पुलिस को हरा दिया।

मैच लीग होने के कारण जो टीम मैच हारेगी उसे दो मैच और खेलने का मौका मिलेगा। हर टीम को अपने-अपने पुल में तीन मैच खेलना पड़ेगा जो सर्वाधिक मैच जीतेगा वह टीम सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेगा। शुक्रवार को प्रतियोगिता के तहत दो मैच खेला जाएगा। पहला मैच सरगुजा फुटबॉल एकेडमी अंबिकापुर विरुद्ध संत इग्निस क्लब नमना और दूसरा मैच सरगुजा पुलिस विरुद्ध न्यू स्पोर्टिंग क्लब दुग्गा के मध्य मैच खेला जाएगा।

जिला स्तरीय स्वच्छता पुरस्कार से सम्मानित हुए चयनित ग्राम,स्कूली छात्र-छात्राएं

» **अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल एवं लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत कर दी शुभकामनाएं...**

\- संवाददाता -
अम्बिकापुर,03 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के समापन अवसर पर गुरुवार 3 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अम्बिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल और लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज के गरिमामय आतिथ्य में जिला स्तरीय स्वच्छता पुरस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत चयनित ग्राम, स्वच्छाग्राही दीदियां, ग्राम सचिव, पंचायत भवन सह परिसर, स्कूल, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र सहित स्कूली छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधायक श्री राजेश अग्रवाल ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि बेहतर ढंग से जिले में स्वच्छता मुहिम का संचालन हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर स्वच्छता की अलख निश्चित रूप से लोगों में जगी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के साथ ही नागरिकों को नशे के प्रति भी गंभीर होना है। इसके विरुद्ध भी जागरूक बनें। उन्होंने सभी अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की मंशा अनुरूप सभी विभाग गंभीरता से कार्य करें और आम जन को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करें।

विधायक श्री प्रबोध मिंज ने इस अवसर पर कहा कि स्वच्छता को अपनी आदत में लाएं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की गई जिसमें शौचालय निर्माण भी शामिल रहा जिसने एक क्रांति लाई। स्वच्छता अभियान से देश में निश्चित ही सकारात्मक बदलाव आया है। इसे आगे भी अपने स्तर पर जारी रखना है और स्वच्छता में अपना योगदान देना है। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री विलास भोसकर द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया जिसमें उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में स्वच्छता ही सेवा अभियान में भाग लिया गया है। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत जिले में विभिन्न कार्यक्रम हुए जिनमें बड़ी संख्या में स्कूली छात्र छात्राओं, अधिकारियों कर्मचारियों और आम नागरिकों ने भाग लिया। सभी को शुभकामनाएं। अगली बार और उत्साह के साथ इस मुहिम में शामिल होकर अपना योगदान दें।

जिला स्तरीय स्वच्छता पुरस्कार से हुए सम्मानित -

इस दौरान जिले में हुई स्वच्छता गतिविधियों की झलकियों का सभी के समक्ष प्रदर्शन किया गया। जिला स्तरीय स्वच्छता पुरस्कार के तहत स्वच्छ स्कूल का प्रथम पुरस्कार शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कुदरबसवार, द्वितीय गेरसा, तृतीय पुरस्कार शासकीय माध्यमिक शाला चिखलाडीह को दिया गया।

इसी तरह स्वच्छ स्वास्थ्य केंद्र का प्रथम पुरस्कार आयुष्मान आरोग्य मंदिर मंगारी, द्वितीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर लटोरी और तृतीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर बदगरी, स्वच्छ आंगनबाड़ी केंद्र का प्रथम पुरस्कार ग्राम पंचायत सोहगा, द्वितीय करजी शांतिपारा, तृतीय डिगमा बंगाली पारा को दिया गया।

स्वच्छ ग्राम का प्रथम पुरस्कार ग्राम पंचायत पुटा, द्वितीय पोकसरी और तृतीय असकला रहा। स्वच्छ पंचायत भवन सह परिसर में प्रथम पुरस्कार ग्राम पंचायत सरगवां, द्वितीय, ग्राम पंचायत धौरपुर और तृतीय हर्रामार रहा। उत्कृष्ट स्वच्छाग्राही में प्रथम पुरस्कार स्वच्छ स्वसहायता समूह उदयपुर, द्वितीय आजीविका स्वसहायता समूह बटवाही, और तृतीय आदर्श स्वसहायता समूह कुनकुरी रहा। उत्कृष्ट सचिव में प्रथम पुरस्कार ग्राम पंचायत पोतका के सचिव श्री बिखम राजवाड़े, द्वितीय ग्राम पंचायत लुण्ड्रा के सचिव श्री दामोदर सिंह और तृतीय पुरस्कार ग्राम पंचायत सोनतरई की सचिव श्रीमती तुला पैंकरा को दिया गया। उत्कृष्ट ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार ग्राम पंचायत उदयपुर, द्वितीय बटवाही और तृतीय पुरस्कार बतौली को दिया गया। इसी तरह स्कूलों में आयोजित भाषण, क्विज, चित्रकला, निबंध, स्वच्छता पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, और वेस्ट मटेरियल क्राफ्ट श्रेणी में 36 छात्र-छात्राओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस दौरान स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने वाले अधिकारियों को भी शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया जिनमें जिला शिक्षा अधिकारी श्री अशोक सिन्हा, डीपीओ महिला एवं बाल विकास विभाग श्री जेआर प्रधान, सहायक संचालक जनसंपर्क सुश्री संगीता लकड़ा, डीएमसी सर्व शिक्षा अभियान श्री रविशंकर तिवारी, सहायक परियोजना अधिकारी श्री रविशंकर पांडेय, डीपीएम डॉ पुष्पेंद्र राम, डीपीओ साक्षरता श्री गिरीश गुप्ता सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कंवर ने कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन किया। इस दौरान स्वच्छ भारत मिशन नोडल श्रीमती स्वेच्छा सिंह, स्वच्छ भारत मिशन जिला समन्वयक श्री रोशन सहित शिक्षकगण एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

पोषण माह समापन कार्यक्रम में लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज हुए शामिल

\- संवाददाता -
लखनपुर, 03 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर विकासखंड के सेक्टर बेलदगी के अंतर्गत ग्राम पंचायत बेलदगी बेयाधापारा मे पोषण माह के समापन का आयोजन किया गया जिसमें लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने जन समुदाय को संबोधित करते हुए कुपोषण की समस्या और उसके प्रबंधन के विषय में सूक्ष्मता से चर्चा करते हुए सरगुजा संभाग में विगत कई दशकों से हो रहे प्रयासों के बारे में बात की और सरकार की वर्तमान में चल रही योजनाओं का लाभ लेने के लिए सभी को प्रेरित किया। जिला पंचायत सदस्य सरला सिंह ने भी अपने उद्बोधन में पोषण माह एवं विशिष्ट रूप से स्वच्छता और पोषण से संबंधित विभिन्न प्रकार की आवश्यक जानकारियां लोगों को दी एवं विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए लोगों में लोगों को जागरूकता रखने एवं विभाग की योजनाओं का लाभ उठाने की जानकारी दी। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री जे आर प्रधान एवं शैलेंद्र प्रताप सिंह जी के द्वारा भी पोषण माह के समापन के इस अवसर पर उत्तम स्वास्थ्य के लिए विभाग से संबंधित समस्त योजनाओं एवं पौष्टिक आहार वह स्वच्छता तथा पोषण माह की महत्व के बारे में सभी को जानकारी दी गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी जे आर प्रधान लखनपुर परियोजना के परियोजना अधिकारी असीम शुक्ला एवं विभाग की परियोजना की समस्त पर्यवेक्षक आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं एवं आम जन समुदाय उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में आठ गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई तीन छह माह के बच्चों का अन्नप्राशन किया गया पोषण मेला लगाया गया जिसमें विभिन्न खाद्य पदार्थों को पकवान के रूप में मनाया गया था एवं उनकी पौष्टिकता के बारे में लोगों को बताया गया साथ ही हरी साग सब्जियों की भी प्रदर्शनी लगाई गई विधायक महोदय एवं जिला पंचायत सदस्य ने कुपोषण दूर करने के प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया गया एवं सभी उपस्थित जनसमुदाय को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शपथ दिलाई गई।

शासकीय राशन दुकानदार अनिश्चितकालीन हड़ताल पर...कलेक्टर के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

\- संवाददाता -
लखनपुर,03 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर क्षेत्र में शासकीय राशन दुकानदार और विक्रेता कल्याण संघ ने विभिन्न समस्याओं को लेकर 3 अक्टूबर से हड़ताल शुरू कर दी है। अपनी समस्याओं और विभिन्न मांगों को लेकर सरगुजा कलेक्टर के नाम एसडीएम वंश राम नेताम को गुरुवार को ज्ञापन सोपा है। ज्ञापन में उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य के सभी राशन दुकान में इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन ई पोस मशीन में वितरण कार्य के लिए बाधित किया गया है उक्त मशीन की गुणवत्ता खराब होने से बार-बार मशीन खराब हो जा रही है और राशन वितरण करने में काफी समस्या उत्पन्न हो रही है। विगत 5 माह से राशन दुकान के आवंटन में भारी अनियमित बरती जा रही है। भंडारण वितरण व्यवस्था पूरी तरह से प्रभावित है दुकानदार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं समय पर बारदाना की राशि, मार्जिन राशि, ई पोस मशीन राशि, वितीय पोषण राशि समय पर भुगतान नहीं किया जाता है और राशन भंडारण में गड़बड़ी के कारण दुकान में राशन कमी सहित 6 मांगों को लेकर गुरुवार को सरगुजा कलेक्टर विलास भोसकर के नाम एसडीएम तहसील कार्यालय लखनपुर में ज्ञापन सोपा गया है साथ ही शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ के द्वारा तहसील कार्यालय के सामने अनिश्चित कालीन हड़ताल गुरुवार से शुरू किया गया है। राशन दुकान संचालकों के हड़ताल में चले जाने से राशन कार्ड हितग्राहियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

देश के चौथा स्तंभ को बचाने रायपुर में एकजुट हुए पत्रकार...

पर पत्रकारों से मिलना जरूरी नहीं समझे महामहिम राज्यपाल व सीएम

संयुक्त पत्रकार महासभा पत्रकारिता संकल्प का आयोजन 2 अक्टूबर को हुआ संपन्न...

मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम पदयात्रा निकालकर सौपा ज्ञापन...

पत्रकारों के लिए खतरा बने नेता प्रशासन इसके विरोध में पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग को लेकर पत्रकारों ने आवाज किया बुलंद

चौथा स्तंभ खतरे में है इसकी वजह भी आगे के दो स्तंभों में आने वाले माने जा रहे...

कमियों को दिखाने वाले पत्रकार हुए एकजुट और कमाने वाले पत्रकार व संस्थान बनाए रखे दूरी

जिसमे प्रदेश भर से आए क्रांतिकारी पत्रकार साथियों ने सभा स्थल ग्रास मेमोरियल मैदान से सीएम एवं राज्यपाल के नाम पैदल निकालकर ज्ञापन सौपा...

-विशेष संवाददाता-
रायपुर/अम्बिकापुर,03 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

देश का चौथा स्तंभ कमजोर व लाचार होता जा रहा या कहे तो प्रताड़ित हो रहा है,उसकी वजह भी आगे के दो स्तंभों में आने वाले व्यक्ति ही बना रहे हैं,चौथे स्तंभ को सिर्फ इस समय किसी से उम्मीद रहती है तो पहले स्तंभ से दूसरे व तीसरा स्तंभ तो उन्हें दुश्मन बने बैठा है,क्योंकि चौथा स्तंभ की आलोचना उन्हें पसंद नहीं आती,पसंद उन्हें सिर्फ आती है तो झूठी गुणगान,देश में पत्रकारिता लोकतंत्र के चौथे स्तंभ में गिना जाता है,आजादी के बाद से आज भी पत्रकारिता को लोग सहायता व सहयोग की दृष्टि से देखते हैं,जब हर जगह हार जाते हैं तब लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता के पास अपनी आवाज उठाने लोग पहुंचते हैं, पर लोगों की आवाज बनने वाला लोकतंत्र का चौथा स्तंभ यानी कि पत्रकारिता का ही आवाज दबाना शुरू हो गया है,आजादी से पहले भी पत्रकारिता जगत आजादी में अपनी भूमिका निभाई और यह इसलिए निभाई क्योंकि वह सच्चाई के साथ व देश के साथ खड़े थे, देश के हित में सच्ची पत्रकारिता करना कितना खतरनाक इस समय है इतना खतरनाक शायद पहले नहीं था...चौथे स्तंभ यानी कि पत्रकारिता को करने वाले अपने आप को असुरक्षित समझ बैठे हैं और इस असुरक्षा के बीच भी वह देश हित में सच्ची पत्रकारिता करना अपना गौरव समझते हैं, पर इस गौरव के पूर्ण कार्य में इतने कांटे हैं की पग-पग में चुभने लगे हैं,छत्तीसगढ़ पत्रकारिता के लिए मुसीबत वाला राज्य लगने लगा है,पत्रकारों को कभी जेल में डालना तो कभी उनके प्रतिष्ठानों पर बुलडोजर चलाना यह छत्तीसगढ़ की पहचान हो गई है,छत्तीसगढ़ सरकार के पत्रकार विरोधी रवैया की वजह से जेल में कई बार पत्रकरों डाला गया, एफआईआर के मामले तो पत्रकारों पर हजारों में पहुंच चके है। पत्रकारिता जगत इस समय ऐसी विषम परिस्थितियों से गुजर रहा है जैसी कल्पना कभी कि नहीं गई होगी, पत्रकारों के हित में कई संगठन बने फिर भी पत्रकार सुरक्षा कानून नहीं बना सकी सरकारे, क्योंकि पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने वाले उनकी सुरक्षा से घबरा रहे हैं, ऐसा लगता है कि वह सुरक्षित हो गए तो शायद वह सुरक्षित नहीं रहेंगे। क्योंकि उनकी कमियों को निडर होकर पत्रकार दिखाएंगे जो उन्हें नागवारा गुजरेगा जो सत्ता हासिल करने में रोड बनेगा, पर वह इस बात को समझना नहीं चाह रहे की यदि वह पत्रकारों को सुरक्षा देंगे तो भविष्य में सत्ता भी सच्चाई के साथ आएगी और सच्चाई के साथ आने वाली सत्ता कभी डगमग आएगी नहीं झुठ के दम पर सत्ता कब तक मिलेगी और कब तक सुरक्षित रहेगी?

एक जुट हुए छत्तीसगढ़ के पत्रकार

देश के चौथे स्तंभ की सुरक्षा के लिए खुद ही पत्रकारों को आंदोलन करना पड़ रहा है, छत्तीसगढ़ में पहली बार पत्रकार सुरक्षा कानून लाने के लिए सभी संगठन एकजुट होकर रायपुर पहुचे,संयुक्त पत्रकार महासभा पत्रकारिता संकल्प का आयोजन किया,यह आयोजन 2 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन किया गया और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की सोच के साथ आंदोलन किया गया,ताकि पत्रकारों की मांग पूरी हो सके,पहली बार ऐसा देखने को मिला जब पूरे प्रदेश भर के पत्रकार वहां एकजुट हुए,ऐसे भीड़ पहले कभी नहीं देखी जैसी इस बार देखने को मिली, इस भीड़ में आक्रोश पत्रकारों का सरकार के विरुद्ध देखा गया क्योंकि सरकार से सताए हुए लोग भी शामिल थे, सरकार चाहे बीजेपी की हो या कांग्रेस की सभी ने पत्रकारों को बारी-बारी सताया है, कभी इसकी बारी तो कभी उसकी बारी पत्रकारिता पर संकट गहराया था, कोई पत्रकार तड़ीपार बन गया तो कोई पत्रकार अपना प्रतिष्ठान तुड़वाया तो कोई जेल गया,तो कोई झूठ प्रकरणों में फसाया गया। जिसे लेकर 2 अक्टूबर सुबह 10 से शुरू हुए आंदोलन शाम के 4 तक चले, मंचों पर पीड़ित पत्रकारों को अपनी बात रखने तक का समय नहीं मिला क्योंकि समय कम पड़ गया था, पर पत्रकारों की पीड़ा उनके बातों से झलक रही थी किस कदर वह प्रताड़ित है यह बात सामने आ रही थी पूरे सोशल मीडिया से लेकर मीडिया जगत में पत्रकारों की प्रताड़ना व वर्तमान सरकार की कमियां दिखाई दे रही थी।

महामहिम राज्यपाल से नहीं हुई मुलाकात

पत्रकारों ने दो अक्टूबर का दिन चुना और इस दिन अपने ऊपर हो रहे अत्याचार को लेकर लाभ बंद हुए अपनी सुरक्षा को लेकर पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग की ताकि उन्हें अपने ही देश में एक सुरक्षा प्रदान हो सके इसके लिए राज्यपाल को ज्ञापन अपने हाथों से देना चाहते थे पर पत्रकारों का दुर्भाग्य ही समझिए कि राज्यपाल से मुलाकात नहीं हुई बिना मुलाकात पत्रकारों को मुख्यमंत्री व राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपना पड़ा, अब इस हालत को समझिए कि सरकार कितनी गंभीर है पत्रकारों के लिए। प्रथम दौर में प्रदेश के राज्यपाल को ज्ञान सौंपा गया। दूसरी बार पैदल कूच करते सभी पत्रकार मुख्यमंत्री निवास कूच करने वाले थे कि मुख्यमंत्री के निवास में नहीं होने की बात बतलाई गई। अपनी आवाजें बुलंद करते नारे लगाते मुख्यमंत्री निवास कूच किए तो बेरिकेटिंग लगा दी गई ताकि पत्रकार अंदर ना आये। कुछ देर में पुलिस के उच्चाधिकारी सहित एसडीएम ने पत्रकारों के बीच आकर ज्ञापन स्वीकार किया। हालांकि पत्रकार संगठन मुख्यमंत्री के नहीं होने के चलते ज्ञापन नहीं सौंप पाने का मलाल दिखा। लेकिन संगठन यह मानता है कि अब वे कदापि हार नहीं मानेंगे। इस ज्ञापन के बाद यदि कोई एक्शन होते नहीं दिखा तो पुनः अनिश्चितकालीन धरने पर भी जा सकते हैं। इसके साथ प्रत्येक पत्रकार अपनी मांग पूरी होते तक शासन प्रशासन की खबरों पर भी अपने कलम को विराम दे सकते हैं।

पत्रकार संगठनों का सामूहिक मंच
संयुक्त पत्रकार महासभा
छत्तीसगढ़ प्रदेश

भवदीय
संयुक्त पत्रकार महासभा

सरकार के अंतिम वक्त पत्रकार सुरक्षा कानून के संबंध में ड्राफट बनाया जो ड्राफट यह ग्राउंड जीरो में काम कर रहे

गाँधी जयंती दिवस पर रायपुर में आयोजित संयुक्त महासभा जिसमें छत्तीसगढ़ के सभी संगठनों ने एक साथ ऐतिहासिक आंदोलन साथ मिलकर किया। नव छत्तीसगढ राज्य बनने के बाद यह पहला मौका था जहां पूरे प्रदेश भर के पत्रकारों ने अपनी एक ही मांग पत्रकार सुरक्षा कानून की मॉंग बुलंद किया। हालांकि पत्रकारों की कई अन्य मांगे है। पिछली सरकार ने चुनाव के वक्त देश में छत्तीसगढ राज्य को पत्रकार सुरक्षा कानून बना कर प्रदाय कर मॉडल बनाने अपने चुनावी घोषणा पत्र में रखा। लेकिन उनकी सरकार के अंतिम वक्त पत्रकार सुरक्षा कानून के संबंध में ड्राफट बनाया जो ड्राफट यह ग्राउंड जीरो में काम कर रहे अंतिम छोर के पत्रकारों के लिए कोई काम का नहीं रहा जहां उनके हित के लिए कोई प्वाईंट नहीं ली गई हो। अलबत्ता यह पत्रकारों के लिए झुनझुना ही साबित हुआ।

यह थी माँग

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने...

पत्रकारों की सुरक्षा के लिए छत्तीसगढ़ विधानसभा में पारित मीडियाकर्मी सुरक्षा कानून को संशोधित कर तत्काल लागू किया जाना चाहिए। जनहित के लिए काम करने वाले पत्रकारों को वर्तमान व्यवस्था में सुरक्षा का अभाव है। पत्रकारों को लगातार असामाजिक ताकतों, आपराधिक पृष्ठभूमि वाले नेताओं और भ्रष्ट अधिकारियों के हमलों का सामना करना पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य में भी रेत, पत्थर, शराब और रियल एस्टेट माफिया ने पत्रकारों को धमकाया है। अनेक पत्रकारों की हत्या हुई है। पत्रकारों की सुरक्षा के लिए विशेष कानून बनाने की पत्रकार संघों की अपील को केंद्र और राज्य सरकारें अनसुना कर रही हैं। संयुक्त पत्रकार महासभा केंद्र और राज्य सरकार से पत्रकारों और भीडिया कर्मियों की सुरक्षा के लिए व्यापक कानून बनाने की मांग करती है। पत्रकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। इस संबंध में प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा केंद्र सरकार को दिए गए सकारात्मक विशिष्ट प्रस्तावों के अलावा,सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देशित किया है कि पत्रकारों की सुरक्षा के लिए विशेष उपाय किए जाने चाहिए। पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र में यह कानून लागू है तथा हरियाणा, बिहार और अन्य राज्य सरकारों ने इन कानूनों को लाने की इच्छा व्यक्त की है। हमारी मांग है कि केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ राज्य सरकार पत्रकारों पर हमले के मामलों में पर्याप्त मुआवजा प्रदान करने के लिए स्पष्ट प्रावधानों के साथ व्यापक कानून बनाएं।

मीडिया आयोग की स्थापना...

संयुक्त पत्रकार महासभा,केंद्र/राज्य सरकार से मांग करती है कि वह पत्रकार हित में उचित कानून बनाने और मीडिया में बदलाव और स्थितियों का व्यापक अध्ययन करने के बाद उचित सिफारिशें करने के लिए तत्काल मीडिया आयोग का गठन करें। पिछले तीन दशकों में मीडिया का जैसा हाल हो गया है,उस पर कुछ समय पहले सुप्रीम कोर्ट ने देश के कुछ मीडिया चैनलों पर विभिन्न समुदायों के बीच नफरत भड़काने वाले कार्यक्रमों के प्रसारण पर गहरी चिंता व्यक्त की थी। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि मीडिया संगठनों को ऐसी प्रवृत्तियों से रोका जाना चाहिए। इस संदर्भ में देश में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और सोशल मीडिया की स्थिति का अध्ययन करने और उचित कानून और दिशानिर्देश बनाने की आवश्यकता है। इसके अलावा, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया, जो वर्तमान में केवल प्रिंट मीडिया तक ही सीमित है, को इलेक्ट्रॉनिक, डिज़िटल तथा इंटरनेट मीडिया का समावेश करते हुए %मीडिया काउंसिल ऑफ इंडिया में बदलने की आवश्यकता भी राष्ट्रीय पत्रकार संगठनों, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) द्वारा बार-बार बयानों के माध्यम से इंगित की गई है। महासभा की पुरजोर मांग है कि केंद्र में हाल ही में बनी भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और एक मीडिया आयोग का गठन करना चाहिए और प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया को मीडिया काउंसिल में बदलना चाहिए।

पत्रकार कल्याण कोष और वेज बोर्ड के लिए सक्रिय कमेटी बनाने...

पत्रकारों को पत्रकारिता के दौरान आने वाली समस्याओं को हल करने,पत्रकार कल्याण के लिए और मजीठिया वेज बोर्ड की सिफारिशों के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए गठित समितियों का कामकाज ठीक नहीं चल रहा है। पिछले 5 वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने भी इन समितियों के गठन में लापरवाही बरती। इन समितियों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। पत्रकारों पर हमलों को रोकने के लिए राज्य स्तर पर जनसम्पर्क मंत्री / श्रम मंत्री की अध्यक्षता और जिला स्तर पर जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में समितियों का पुनर्गठन किया जाना चाहिए। महासभा %सरकार से यह भी अपील करती है कि पत्रकार संघों के प्रतिनिधियों को, पत्रकारों की सहायता के लिए गठित पत्रकार कल्याण कोष समिति में प्रतिनिधित्व दिया जाए।

पत्रकारों के लिए आवास व्यवस्था...

समाज हित में काम करने वाले पत्रकारों को पिछले दस सालों में मकान देने का वादा पूरा नहीं हुआ है। सरकार के उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण पत्रकारों का खुद का मकान होने का सपना केवल सपना बनकर रह गया है। पिछले 15 वर्षों से प्रदेश में घर या प्लॉट का इंतजार कर रहे संगठन सदस्यों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संयुक्त पत्रकार महासभा राज्य सरकार से रायपुर शहर के साथ-साथ जिला और मंडल केंद्रों में काम करने वाले पत्रकारों को घर आवंटित करने के लिए एक स्पष्ट नीति बनाने की मांग करती है।

ग्रामीण पत्रकारों को वेतन देने...

विभिन्न मीडिया हाउस के मालिक फील्ड में रात दिन समाचार एकत्र करने में लगे ग्रामीण पत्रकारों को वेतन का भुगतान नहीं करते हैं। जिन नियोक्ताओं द्वारा पत्रकारों को न केवल समाचार एकत्र करने बल्कि विज्ञापन एकत्र करने और प्रसार बढ़ाने की भी जिम्मेदारी दी गयी है, वे पत्रकारों को वेतन भुगतान नहीं कर रहे हैं। न्यूज़ चैनलों में भी यही स्थिति है। मजीठिया वेज बोर्ड की अनुशंसा के अनुरूप पत्रकारों को वेतन देना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। पत्रकार संगठनों के महासम्मेलन राज्य सरकार से इससे संबंधित कानूनों को सख्ती से लागू करने की मांग करती है।

पत्रकारों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने...

राज्य के सभी पत्रकारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने की व्यवस्था की जाए। कोरोना काल से पत्रकारों को पिछले पांच - छह वर्षों से गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। महासभा मांग कर रही है कि सभी पात्र पत्रकारों को स्वास्थ्य कार्ड जारी किया जाए और सभी सरकारी, कॉर्पोरेट और बहु-विशिष्ट अस्पतालों में कैशलेस चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए नियम बनाया जाए।

पत्रकारों को पेंशन सुविधा प्रदान करने...

मीडिया में लंबे समय तक जनहित और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए काम करने वाले पत्रकारों को पेंशन सुविधा प्रदान की जाए। महासभा की पुरजोर मांग है कि लंबे समय से अपर्याप्त वेतन पर, कई दबावों और स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद सामाजिक कल्याण के लिए काम करने वाले पत्रकारों को पेंशन प्रदान करने के लिए नीति निर्धारित की जाए। सभी पत्रकारों के लिए राष्ट्रीय स्तर की पेंशन योजना शुरू करने का अनुरोध है। इसके साथ ही पत्रकारों के बच्चों को मुफ्त और बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए कानून बनाने की आवश्यकता है।

डीआईजी-एसएसपी ने दवा दुकान संचालकों के साथ की बैठक

बोले-बिना डॉक्टर के पर्चे के दवा न दें, नशे के खिलाफ अभियान में मेडिकल-स्टोर संचालक करेंगे सहयोग, नशेड़ी प्रवृत्ति के लोगों को नशा मुक्ति केन्द्र में कराये भर्ती

-संवाददाता-
सूरजपुर,03 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

पुलिस नशे के खिलाफ लगातार कार्यवाही कर रही हैं। नशा की सामग्री न मिलने पर नशे के आदि लोग मेडिकल स्टोर पर मिलने वाली दवाओं सहित अन्य सामग्री का इस्तेमाल नशे के रूप में कर रहे हैं। आज डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भापुसे) ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सभी मेडिकल संचालकों के साथ जिला पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक कर नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में उनकी सहभागिता पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने कहा कि हम सभी को अपनी जिम्मेदारियों को समझने की जरूरत है, हमें प्रयास करना चाहिए कि आज का युवा नशे का आदि न हो। मेडिकल स्टोर संचालकों को नशे पर लगाम लगाने के लिए अभियान में सहयोग की अपील करते हुए कहा की अगर मेडिकल स्टोर पर कोई व्यक्ति नशे से संबंधित दवा खरीदने आता है और संदिग्ध प्रतीत होता है तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। जिससे ऐसे व्यक्ति पर सख्त से सख्त वैधानिक कार्रवाई की जा सके। कुछ नशेड़ी सिरिंज का इस्तेमाल नशा करने में करते हैं। सभी मेडिकल स्टोर संचालकों को इस पर ध्यान देना आवश्यक हैं। ऐसे किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक रुप से इंजेक्शन और सीरिंज न दें। उन्होंने कहा कि डॉक्टर के पर्चे के बगैर प्रतिबंधित दवाओं को न दें। साथ ही मेडिकल स्टोर पर बाहर की तरफ जहां ग्राहक खड़े होते हैं सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगाएं। जिससे नशेड़ी लोगों की पहचान कर नशे पर रोक लगाई जा सके। गौरतलब है कि गुरूवार, 03 अक्टूबर को सभी मेडिकल स्टोर संचालकों के द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सहयोग करने और पुलिस की ओर से दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए नशा करने वाले लोगों को प्रतिबंधित दबाएं और इंजेक्शन, सिरिंज नहीं देने का आश्वासन दिया। एडिशनल एसपी संतोष महतो ने बताया कि प्रतिबंध दवा देने के लिए जो नियम बने हैं, उनका हर हाल में पालन किया जाए। साथ ही बार-बार इस तरह की दवा खरीदने वालों को चिह्नित भी किया जाए। इस दौरान डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, निरीक्षक जावेद मियादाद, स्टेनो अखिलेश सिंह, सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. अजय मरकाम, समाज कल्याण विभाग के संचालक बेनेडिक तिर्की, ड्रग इंस्पेक्टर जयप्रकाश शर्मा, अमरेश तिर्की, डीसीडीए अध्यक्ष विनोद अग्रवाल, नशा मुक्ति केन्द्र संचालक सुरेन्द्र साहू, मेडिकल स्टोर संचालक राजेश गोयल, दीपक मित्तल, नितिन गुप्ता, सतीश पाल, राजेश्वर गुप्ता, दीपेन्द्र पाल, विनोद कुमार, दुर्गेश राजवाड़े, रामनिवास साहू, अनुराग सिंहदेव, संजय, राकेश प्रजजापति, राजेश ठाकुर, प्रदीप जायसवाल, अमित सिंह, डॉ. कृष्णा साहू, राकेश प्रजापति व दीपक रवि मौजूद रहे।

नशेड़ी प्रवृत्ति के लोगों को नशा मुक्ति केन्द्र में कराये भर्ती

बैठक में डीआईजी/एसएसपी सूरजपुर ने नशा मुक्ति केन्द्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि नशेड़ी प्रवृत्ति के लोगों का निःशुल्क उपचार नशा मुक्ति केन्द्र सूरजपुर में किया जा रहा है जिसका संचालन प्रशासन कर रहा है। नशेड़ी प्रवृत्ति के लोगों की सूचना नशा मुक्ति केन्द्र संचालक अथवा पुलिस को दे ताकि उनके परिजन की सहमति से उनका उपचार कराया जा सके जिससे वह स्वस्थ्य होकर समाज की मुख्य धारा में वापस लौट सके।

कलश यात्रा व घाट पूजन के साथ शुरू हुई मां दुर्गा की पूजा-अर्चना

-संवाददाता-
पटना,03 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

शारदिय नवरात्र के अवसर पर ग्राम पंचायत रनई में श्री दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों के द्वारा शारदिय नवरात्र के पहले दिन पूजा पंड़ाल में माता दुर्गा की प्रतिमा स्थापना करने से पूर्व गुरुवार को सुबह 10 बजे से भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें काफी संख्या में श्रद्वालू महिलाऐं शामिल हुई। सभी श्रद्वालू महिलाऐं पूजा पंड़ाल से खाली कलश लेकर रनई तालाब पहुंचे जहां विधिवत कलश पूजन के साथ कलश में जल भरकर सभी अपने अपने सिर में कलश धारण कर कतार बद्व होकर मुख्य सड़क से होते हुए पहले शिव मंदिर उसके बाद पूजा पंड़ाल पहुंचे जहां पं. प्रेमलाल पाठक के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश पूजन कराया गया और दुर्गा प्रतिमा की स्थापना करने के साथ पूजा अर्चना शुरू हो गई। श्रद्वालू महिलाऐं पूजा अर्चना करने के पश्चात अपने अपने घर को गए।

आयोजित कलश यात्रा को सफल बनाने में रनई जमींदार योगेश शुक्ला, राजेश शुक्ला, गीता शुक्ला, समिति अध्यक्ष विकास शुक्ला, अभिषेक शुक्ला, आस्तीक शुक्ला, लोकेश शुक्ला, अशोक सिंह, संतोष साहू, प्रद्युमन जायसवाल, सरदार बलजीत सिंह, निलेश शुक्ला, महेश शुक्ला, शारदा दुबे, राजू साहू, केसी साहू, प्रद्युमन जायसवाल, छबीले प्रसाद ठकुरिया, संजू पाण्डेय, राम शंकर साहू, लक्षनधारी साहू, डॉ विवेक साहू, राम कुमार यादव, शुशील पटेल, संतोष सारथी, आनंद सोनी, हरि ब्रिसेन, लक्षनधारी, राजेश पाण्ड़ेय, शशि प्रकाश जायसवाल, दीप कुमार दुबे सहित समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों एवं श्रद्वालू ग्रामिणों का सराहनिय योगदान रहा।

प्रधान आरक्षक वीरसाय लकड़ा हुए सेवानिवृत्त

-संवाददाता-
सूरजपुर,03 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

पुलिस विभाग में लगातार 40 वर्ष 7 माह तक सेवा देकर 30 सितम्बर 2024 को सेवा निवृत्त हुये सूरजपुर जिले में पदस्थ प्रधान आरक्षक वीरसाय लकड़ा के सेवानिवृत्ति पर विदाई सम्मान समारोह का आयोजन जिला पुलिस कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया। जहां डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भापुसे) ने प्रधान आरक्षक को साल-श्रीफल एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

इस दौरान डीआईजी व एसएसपी श्री एम.आर.आहिरे ने सेवानिवृत्ति के बाद के नए जीवन के पड़ाव की शुभकामनाएं प्रधान आरक्षक को देते हुए कहा कि दिनांक 01/02/1984 से विभाग की सेवा में आए, विभाग में बेहद अच्छा कार्य करते हुए अधिनस्थों को अनुशासन में रहकर कैसे कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करें यह बताया। कभी भी आदेश-निर्देश की अवहेलना नहीं किया। सेवानिवृत्त हो रहे प्रधान आरक्षक के स्वस्थ्य, सुखमय पारिवारिक जीवन जीने, दीर्घायु होने की बधाई दी। सेवानिवृत्त हुए प्रधान आरक्षक ने भी अपने सेवा के अनुभवों के बारे में बताया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी सहित जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारीगण मौजूद रहे।

अवैध शराब कारोबारियों पर कार्यवाही के नाम पर आबकारी विभाग ने महिलाओं से की हाथा-पाई

-संवाददाता-
कोरबा,03 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले मे पुलिस अधीक्षक कोरबा के निर्देश पर समस्त जिले मे सजग कोरबा अभियान के तहत कार्यवाही की जा रही है जिसके अंतर्गत जिले के समस्त थानो चौकियों मे अवैध कारोबारियों मे लिप्त लोगों पर कार्यवाही की जा रही है साथ ही समझाईस भी दी जा रही की अवैध कारोबार से दूर रहे। इसी अवैध कारोबार के अंतर्गत अवैध शराब पर भी लगातार पुलिस एवं आबकारी विभाग द्वारा कार्यवाही की जा रही है। जिले के नकटीखार क्षेत्र का ममला आया सामने जहाँ अवैध शराब को लेकर महिलाओं से आबकारी विभाग के कर्मचारियों ने की मारपीट। यहाँ की महिलाओं का आरोप है के,आबकारी विभाग द्वारा महिलाओं के साथ झूमाझटकी के साथ मार पिट कि गई है, जिसकी शिकायत लेकर वे कोरबा रामपुर स्थित सिविल लाइन थाना पहुंचे। महिलाओं ने आरोप लगाया है के उनके द्वारा किसी भी प्रकार का शराब का निर्माण एवं बिक्री नही किया जाता है, इसके बौजूद आबकारी विभाग के कर्मचारियों ने घर मे दबिश देकर उनके साथ मार पिट साथ ही उनके पति जो निर्दोष है जबरदस्ती अपने साथ उठा ले गए एवं सख्त कार्यवाही होने की बात भी कही गई है। उन्होने कहा के इस दौरान विभाग के लोगों द्वारा घरों की तलाशी भी ली गई पर उन्हें कुछ नही मिला जिसके बाद वे उनके साथ मारपीट किये जिससे एक महिला को चोट भी लगी है, जिसकी शिकायत करने वे सिविल लाइन थाना पहुंची है साथ ही कार्यवाही की मांग किए है । अब प्रश्न यह है की आखिर वह कौन है ? जिसके निर्देश पर सम्बंधित विभाग कार्यवाही के आंकड़ों को बढ़ाने के लिए बेगुनाह तक को बक्श नही रहा और नौबत हातापाई तक पहुंच रही है।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर मंत्री लखन लाल देवांगन ने वृद्धजनों को किया सम्मानित

-संवाददाता-
कोरबा,03 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर जिले में आज अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में वरिष्ठजनों एव वृद्धजनों का सम्मान करते हुए मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। वृद्धजनों की सुविधा के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उक्त बातें उद्योग, वाणिज्य, व्यापार एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम में वृद्धजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान समारोह में कही। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि वृद्धजनों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिले में नए सियान सदन बनाए जाएंगे। यह सियान सदन वातानुकुलित व मनोरंजन की दृष्टि से सुविधापूर्ण होंगे। सियान सदन में आवास के साथ ही दवाई भी प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने वरिष्ठ नागरिकों एवं वृद्धजनों को शॉल श्रीफल एवं वॉकिंग स्टीक देकर सम्मानित किया तथा उन्हें शुभकामनाएं दी। केबिनेट मंत्री ने कलेक्ट्रेट परिसर में 08 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राइसाइकल प्रदाय की।

इस अवसर पर कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि अंतर्राष्टीय वृद्धजन दिवस का आयोजन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर किया जा रहा है। उन्होंने वृद्धजनों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज को आपने जो योगदान दिया है उसे आज स्वीकार करने का दिवस है। आपके पास अनुभवों की अमूल्य धरोहर है। आप ज्ञान की लाइब्रेरी की तरह हैं, जिस तरह लाइब्रेरी में पुस्तकों की संख्या बढ़ती जाती है उसी तरह आपके पास ज्ञान और अनुभव बढ़ता जाता है। कलेक्टर ने वृद्धजनों को भरण-पोषण अधिनियम के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खनिज संस्थान न्यास मद नगर में सर्व सुविधा युक्त वृद्धाश्रम का निर्माण कराया जा रहा है। वृद्धाश्रम में समाज कल्याण विभाग के द्वारा वृद्धजनों के आवास के साथ ही दवाई की भी व्यवस्था की जाएगी। इसमें मनोरंजन के संसाधन की व्यवस्था भी रहेगी। कलेक्टर ने इस अवसर पर वृद्धजनों एवं वरिष्ठजनों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक श्री मजूमदार ने वृद्धजनों को पिछले 19 वर्षों से कार्य करने वाली बाल्को मैत्री संघ के विषय में जानकारी दी। कार्यक्रम में वृद्धजनों ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में उप संचालक समाज कल्याण विभाग श्रीमती सिनीवाली गोयल, बाल्को मैत्री संघ के सदस्यगण, वरिष्ठ नागरिक एवं वृद्धजन उपस्थित थे।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक 202410020700007

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः- राजस्व, सन्ः-2024-25

लब्जी प.ह.न. 00027(हे.)
पक्षकारों का विवरण
आवेदक पक्षकार-रामकृपाल सिंह
अनावेदक पक्षकार- छ0ग0 शासन

-:: ईश्तहार ::-

आवेदक रामकृपाल सिंह पिता रूपलाल निवासी ग्राम खाला तहसील दरिमा जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम लब्जी स्थित कुल खसरा नंबर 11 कुल रकबा 1.554 हे0 भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25.10.2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/10/2024 को जारी किया जाता है।

सील
तहसीलदार
अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा(छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सावित्री देवी पत्नी किशोरी सिंह जाति क्षत्रिय निवासी गोविन्दपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 खसरा नंबर 2/1030 रकबा 0.011 हे0 भूमि को कृषि भिन्न व्यवयायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1,खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधिन है।
अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 10/10/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 03/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अंबिकापुर

मुख्यालय के गढीपारा आंगनबाड़ी केंद्र में सुपोषण चौपाल मनाया गया

-संवाददाता-
खड़गवां,03 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

खड़गवां परियोजना मुख्यालय के गढीपारा आंगनबाड़ी केंद्र में माह का प्रथम गुरुवार को सुपोषण चौपाल का संयुक्त आयोजन आंगनबाड़ी केंद्र चारपारा जनकपुर गजमरवापारा गढीपारा के द्वारा किया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित परियोजना अधिकारी खडगवा सेक्टर की सेक्टर सुपरवाइजर एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता समूह के सदस्य एवं मोहल्ले की महिलाएं बच्चे आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम में गर्भवती माताओं का गोद भराई श्रीफल एवं पोषण आहार प्रदान किया गया एवं उन्हें स्वास्थ्य एवं पोषण कि शिक्षा देते हुए उनके एवं उनके बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी एवं मंगल कामनाओं के साथ हार्दिक शुभकामनाएं दिया गया कार्यक्रम में सुपोषण रंगोली के माध्यम से उपस्थित सभी महिलाओं एवं गर्भवती माताओं बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण के विषय में जागरुक किया गया कार्यक्रम में उपस्थित परियोजना अधिकारी सुश्री निर्मला बरवा के द्वारा अपने उदबोधन में महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण की विधिवत जानकारी दी गई और सभी का अभिनंदन कर सभी का आभार व्यक्त किया इस कार्यक्रम को सफल संचालन के लिए सेक्टर सुपरवाइजर लाली प्रजापति एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं जनकपुर ओमवती चारपारा माधुरी देवी गजमरवापारा सविता सिंह गढीपारा गंगा गुप्ता का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पोड़ी उपरोड़ा खंड स्तरीय सजग कोरबा के तहत कार्यक्रम आयोजित

-संवाददाता-
कोरबा,03 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा के निर्देशानुसार जिले के पोड़ी उपरोड़ा मे खंड स्तरीय सजग कोरबा अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित कि गई, जिसमें साईबर क्राइम, नशा के खिलाफ जागरूकता अभियान, अभिव्यक्ति ऐप, महिला सुरक्षा मैत्री ह्वाट्सऐप हेल्पलाइन 9479282100 एवं यातायात के नियमों की जानकारी देकर पुलिस ने सभी कों जागरूक किया। इस कार्यक्रम मे बड़ी संख्या में मितानिनो ने हिस्सा लिया एवं रैली निकाली। महिलाओ ने कहा कि इस कार्यक्रम में जो जानकारी दी गई उसे अपने ग्रामो तक सभी कों जागरूक करेंगे और शराब कि बिक्री कों पूर्ण रूप से प्रतिबंध करने में पुलिस को सहयोग करेंगे। इसमें बांगो प्रभारी टीआई उषा सोंधिया, यातायात प्रभारी एसआई मलिक राम जांगड़े, मोरगा प्रभारी एएसआई भीम सेन यादव और अन्य पुलिस स्टाफ़ उपस्थित रहे।

CMYK

शिखा,मोहित की अगुआई में भारतीय टीमें आज से करेंगी अभियान की शुरुआत

» एशिया रग्बी सेवंस ट्रॉफी

काठमांडू, 03 अक्टूबर 2024। भारतीय रग्बी पुरुष और महिला टीमें 4 और 5 अक्टूबर को यहां होने वाली एशिया रग्बी सेवंस ट्रॉफी में भाग लेंगी। शिखा यादव और मोहित खत्री को अपनी-अपनी टीमों का कप्तान बनाया गया है।

पुरुष टीम शुक्रवार को बांग्लादेश के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जबकि महिला टीम श्रीलंका के साथ शानदार अभियान की शुरुआत करेगी।

महिला टीम पिछले तीन वर्षों से रजत पदक जीतने के क्रम को स्वर्ण में बदलना चाहती है। दूसरी ओर, पिछले साल पांचवें स्थान पर रहने वाली पुरुष टीम अपने प्रदर्शन को बेहतर करने और अपने स्तर को ऊपर उठाने की कोशिश कर रही है।

पुरुष और महिला दोनों टीमें 2 अक्टूबर को नेपाल के लिए रवाना हुईं, जहां उन्होंने विशेष रूप से नए भारतीय सेवंस हेड कोच वैसाले

सेरेवी के नेतृत्व में एशिया रग्बी सेवंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए साई, कोलकाता में कठोर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया।

भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय 7 टीमों का हमेशा से लक्ष्य एआरएसटी से एशिया रग्बी सेवंस सीरीज तक पहुंचना रहा है। हम एआरएसटी के इस विशेष संस्करण को उस यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखते हैं। टीम में जगह बनाने वाले पुरुषों और महिलाओं को बहुत-बहुत बधाई। आप देश और खेल के लिए गौरव लाएं। टीमें-

भारतीय पुरुष टीम

अजीत हंसदा, असीस सबर, दीपक पुनिया, गणेश माझी, जावेद हुसैन, करण राजभर, मोहित खत्री, प्रणव पाटिल, प्रशांत सिंह, प्रिंस खत्री, सुमित कुमार रॉय, वल्लभ पाटिल

भारतीय महिला टीम

भूमिका शुक्ला, डुमिनी मरंडी, हुपी माझी, कल्याणी पाटिल, निर्मल्या राउत, रुतुजा किरदत, साक्षी जांभले, संध्या राय, शीतल शर्मा, शिखा यादव, उज्ज्वला घुगे, वैष्णवी पाटिल

खुशी ने जीता कांस्य पदक

जूनियर विश्व चैंपियनशिप में भारत शीर्ष पर काबिज

लीमा,03 अक्टूबर 2024। जूनियर विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) में कांस्य पदक जीतकर खुशी ने भारत के पदकों की संख्या 15 तक पहुंचा दी है।

भारत के नाम अब 10 स्वर्ण, 1 रजत और 4 कांस्य पदक हैं और वह पदक तालिका में शीर्ष पर काबिज है।

इस युवा खिलाड़ी ने फाइनल में 447.3 अंक हासिल किए और नॉर्वे की कैरोलिन से पीछे रहीं, जिन्होंने 458.3 अंक के साथ रजत पदक जीता। कैरोलिन की हमवतन सिनोव बर्ग ने 458.4 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। खुशी क्वालिफिकेशन में 585 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहीं और फाइनल में जगह पक्की की। खुशी और इतालवी अन्ना शियावोन ने इनर 10-रिंग में 29 शॉट के आधार पर अंतिम दो क्वालीफाइंग स्पॉट हासिल किए, जबकि दो स्विस एथलीट, एलेक्सा टेला और एमिली जैगी 27 शॉट ही बना पाईं। काउंटबैक में खुशी, अन्ना से आगे रहीं।

डब्ल्यूटीटी चाइना स्मैशः मा लोंग,वांग मान्यु एकल वर्ग के अंतिम 16 में

बीजिंग, 03 अक्टूबर 2024। चीनी दिग्गज मा लोंग और दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी वांग मान्यु ने बुधवार को यहां विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) चाइना स्मैश में क्रमशः पुरुष और महिला एकल वर्ग के राउंड 32 में जीत दर्ज की।चीन के सबसे सफल ओलंपियन मा का सामना करते हुए 21 वर्षीय चीनी ज़ेंग बेक्सुन ने शुरुआत में 5-1 की बढ़त हासिल की, लेकिन मा ने तेजी से वापसी करते हुए 11-8 से जीत हासिल की। मा द्वारा दूसरा गेम 11-6 से जीतने के बाद, ज़ेंग ने उसी स्कोर के साथ तीसरा गेम अपने नाम किया। अधिक आक्रामक रिटर्न की बदौलत मा ने चौथा गेम 12-10 से जीतकर अंतिम 16 में जगह बनाई।शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार,चीन की वांग मान्यु ने जर्मन पैडलर सबाइन विंटर को मात्र 17 मिनट में 11-6, 11-2, 11-8 से आसानी से हराया और अब वह राउंड ऑफ़ 16 में अपनी टीम की साथी 18 वर्षीय किन युक्सुआन से भिड़ेंगी।

मेसी विश्व कप क्वालीफायर के लिए अर्जेंटीना की टीम में लौटे

ब्यूनस आयर्स,03 अक्टूबर 2024। लियोनेल मेसी वेनेजुएला और बोलीविया के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर के लिए अर्जेंटीना की टीम में लौट आए हैं, दक्षिण अमेरिकी देश के फुटबॉल संघ ने यह जानकारी दी है। 37 वर्षीय मेसी टखने की चोट के कारण चिली और कोलंबिया के खिलाफ सितंबर में एल्बिसेलेस्टे के क्वालीफायर से चूक गए थे, लेकिन उसके बाद से वह अपने क्लब इंटर मियामी के लिए मैदान पर लौट आए हैं। अर्जेंटीना 10 अक्टूबर को वेनेजुएला से और पांच दिन बाद ब्यूनस आयर्स में बोलीविया से खेलेगा।

मौजूदा विश्व कप और कोपा अमेरिका चैंपियन वर्तमान में 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी समूह में आठ मैचों में 18 अंकों के साथ शीर्ष पर है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद कोलंबिया से दो अंक आगे है।शीर्ष छह टीमें स्वचालित रूप से 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी, जिसकी संयुक्त मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका,मैक्सिको और कनाडा करेंगे। सातवें स्थान पर रहने वाली टीम अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में आगे बढ़ेगी।

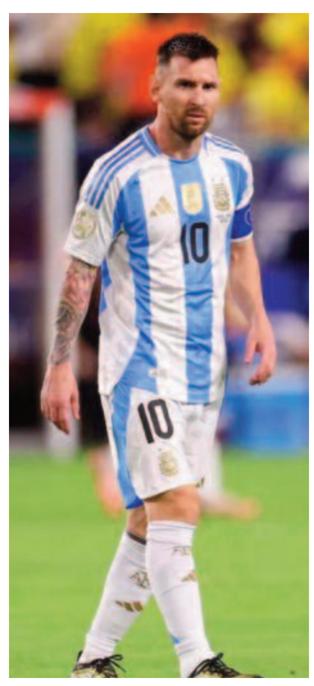

अर्जेंटीना टीमः गोलकीपरः वाल्टर बेनिटेज़ (पीएसवी आइंडहोवेन), गेरोनिमो रूली (ओलंपिक मार्सिले), जुआन मुसो (एटलेटिको मैड्रिड)।

डिफेंडर्सः गोंजालो मोंटिएल (सेविला),नहुएल मोलिना (एटलेटिको मैड्रिड),क्रिस्टियन रोमेरो (टोटेनहम),जर्मन पेज़ेला (रिवर प्लेट),मार्कोस एक्यूना (रिवर प्लेट),लियोनार्डो बलेरडी (ओलंपिक मार्सिले), निकोलस ओटामेंडी (बेनफिका), लिसेंड्रो मार्टिनेज (मैनचेस्टर यूनाइटेड), निकोलस टैग्लियाफिको (ल्योन)।

मिडफील्डरः लिएंड्रो पेरेडेस (रोमा), एलेक्सिस मैक एलिस्टर (लिवरपूल), एंज़ो फर्नांडीज (चेल्सी), जियोवानी लो सेल्सो (रियल बेटिस), निकोलस पाज़ (कोमो), एक्सक्विएल पलासियोस (बायर लीवरकुसेन), रोड्रिगो डी पॉल (एटलेटिको मैड्रिड), वैलेन्टिन कार्बोनी (ओलंपिक मार्सिले), थियागो अल्माडा (बोटाफोगो)।

फॉरवर्डः लियोनेल मेसी (इंटर मियामी), निकोलस गोंजालेज (जुवेंटस), एलेजांद्रो गार्नाचो (मैनचेस्टर यूनाइटेड), जूलियन अल्वारेज़ (एटलेटिको मैड्रिड), पाउलो डायबाला (रोमा), लुटारो मार्टिनेज (इंटर मिलान)।

भारतीय महिलाओं को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहुत सावधान रहने की जरूरत

नई दिल्ली,03 अक्टूबर 2024। गुरुवार को यूएई में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप शुरू होने के साथ ही पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ग्रुप चरण में भारत की विरोधियों के बारे में अपने विचार साझा किए और कहा कि हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहुत सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि वे उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकती हैं। भारत छह बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में है, जबकि ग्रुप बी में बांग्लादेश,2009 के चैंपियन इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, 2016 के विजेता वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड शामिल हैं। भारत शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा और अगला मैच 6 अक्टूबर को पाकिस्तान से खेलेगा। वे 9 अक्टूबर को श्रीलंका से खेलेंगे और फिर 13 अक्टूबर को अपने आखिरी ग्रुप मैच में रिकॉर्ड छह बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगे। हरभजन ने कहा, मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते समय भारत को बहुत सावधान रहने की जरूरत है। इस ग्रुप को देखते हुए, भारत के साथ ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका हैं। ये सभी मैच निश्चित रूप से महत्वपूर्ण होंगे।

लेकिन एक मैच जो मुझे लगता है कि थोड़ा कठिन होगा,वह है भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच। ऑस्ट्रेलिया एक अच्छी टीम है, भले ही ये मैच दुबई में खेले जा रहे हों, उपमहाद्वीप की पिचों पर जो शायद उनके घरेलू परिस्थितियों जितनी अनुकूल न हों। उन्होंने कहा, लेकिन ऑस्ट्रेलिया, चाहे वे कहीं भी खेलें, उन्हें हराना मुश्किल है। इसलिए, भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती ऑस्ट्रेलिया हो सकती है। श्रीलंका भी, भारत के खिलाफ अपनी हालिया श्रृंखला जीत के बाद,आत्मविश्वास से भरा होगा। इसलिए, यह भी एक अच्छा मुकाबला होगा।

उस्मान कादिर ने लिया संन्यास

करांची,03 अक्टूबर 2024। पाकिस्तान के 31 वर्षीय लेग स्पिनर उस्मान कादिर ने क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उस्मान ने अपने संन्यास की घोषणा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए दी। उस्मान कादिर पाकिस्तान के लीजेंड्री स्पिनर अब्दुल कादिर के बेटे हैं। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 25 टी 20 और 1 वनडे मुकाबला खेला है। 25 टी20 में उन्होंने कुल 31 विकेट अपनेन नाम किए हैं। पाकिस्तान के लिए उनका आखिरी मैच 7 अक्टूबर 2023 को बांग्लादेश के खिलाफ था उस्मान कादिर ने अपने सोशल मीडिया पर संन्यास का ऐलान करते हुए लिखा कि, मैं आज पाकिस्तान क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा कर रहा हूं, और इस अविश्वसनीय याक्षा पर विचार करते हुए मैं अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान रहा है और मैं अपने कोचों और साथी खिलाड़ियों के लिए आभारी हूं जो हर कदम पर मेरे साथ खड़े रहे।

ऋषभ पंत को दिल्ली कैपिटल्स करेगी रिटेन

नई दिल्ली,03 अक्टूबर 2024। आईपीएल 2025 का इंतजार फैंस को अभी से है। इसी साल के अंत में आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन होना है। वहीं मेगा ऑक्शन से पहले सभी फ्रेंचाइजी टीमों को अपने रिटेन्ड किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट बीसीसीआई को सौंपनी है। खिलाड़ियों के रिटेंशन को लेकर बीसीसीआई ने नियमों का ऐलान कर दिया है। वहीं कहा जा रहा है कि, ऋषभ पंत आईपीएल 2025 में किसी और फ्रेंचाइजी टीम के लिए खेल सकते हैं। पंत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान हैं। लेकिन अब दिल्ली कैपिटल्स के ओ-ओनर पार्थ जिंदल ने साफ कर दिया है पंत आईपीएल 2025 में भी दिल्ली कैपिटल्स का ही हिस्सा रहेंगे और उनकी फ्रेंचाइजी टीम उनको रिटेन करेगी। आईएनएस को दिए इंटरव्यू में पार्थ ने कहा कि, हां हम पंत को जरूर रिटेन करेंगे। हमारी टीम में कुछ बहुत ही शानदार खिलाड़ी हैं। अभी रिटेंशन के नियम हमारे सामने आए ही हैं, तो जीएमआर के साथ और हमारे डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट सौरव गांगुली के साथ डिसकशन के बाद हम कोई फैसला लेंगे। पंत को पक्का ही रिटेन किया जाएगा। हमारे पास अक्षर पटेल हैं, जो बहुत ही बेहतरीन खिलाड़ी हैं। दिल्ली कैपिटल्स के ओनर ने आगे कहा कि, ट्रिस्टन स्टब्स, जेक फ्रेजर मैकगर्क, कुलदीप यादव, अभिषेक पोरेल, मुकेश कुमार और खलीली अहमद ये सभी खिलाड़ी हमारी टीम में काफी शानदार हैं। बीसीसीआई ने रिटेंशन को लेकर जो नियम पेश किए हैं, उनसके हिसाब से कोई भी फ्रेंचाइजी टीम अपने 6 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है।

औरत के भेष में आया विलेन

जीभ निकालकर की थी रूह कंपाने वाली हरकत, आज भी देखने पर लग जाता है डर

माथे पर बड़ी लाल बिंदी, नाक में नथ और साड़ी पहने भयानक तरीके से रोना वाला विलेन भारतीय सिनेमा के पर्दे पर पहली बार साल 1999 में दिखाया गया था। फिल्म का नाम था %संघर्ष%। इस फिल्म में अक्षय कुमार और प्रीति जिंटा लीड रोल में थे। अक्षय कुमार और प्रीति जिंटा का किरदार काफी दमदार था, लेकिन जीभ हिलाकर लोगों को डराने वाला इस फिल्म का विलेन सब पर भारी था। औरत का भेष धारण कर बच्चों का अपहरण करने वाले इस किरदार का नाम गोकुल पंडित उर्फ लज्जा शंकर था, एक धार्मिक कट्टरपंथी था। ये किरदार अमरता प्राप्त करने के लिए बर्बर तरीकों में विश्वास करता था। इस रोल को अशुतोष राणा ने निभाया था। ये उनके करियर का सबसे प्रभानी किरदार भी माना गया है। लुक और हाव-भाव हर चीज से आशुतोष राणा ने लोगों पर ऐसा प्रभाव डाला कि आज भी इसे देख लोग डर जाते हैं।

ऐसे मिला था लज्जा शंकर का रोल

लज्जा शंकर के बुरे इरादों को आशुतोष राणा ने अपनी परफॉर्मेंस से जीवांत कर दिया था। फिल्म में उनका किरदार जब भी दबाव महसूस करता था तो रोता था। अशुतोष राणा ने इस किरदार के लिए महेश भट्ट से खास गुजारिश की थी, वो भी तब जब महेश भट्ट ने उनके साथ प्रैंक किया। वो बताते हैं, मैं हैदराबाद में शूटिंग कर रहा था। मैं उसे छोड़कर भट्ट सर से मिलने मुंबई भागा। मैंने उनसे पूछा कि वे किसी और को कैसे साइन कर सकते हैं? या तो वे मेरा ऑडिशन लें और फिर मुझे रिजेक्ट कर दें या फिर बस इतना कहें कि मैंने दुश्मन (1998) के साथ न्याय नहीं किया। मैं किसी और को यह रोल नहीं करने दूंगा। भट्ट सर हंसे और कहा कि चूंकि वे मुझसे लंबे समय से नहीं मिले थे, इसलिए वे मजाक कर रहे थे। क्योंकि अगर वे ऐसा नहीं करते तो मैं कभी नहीं आता। यह भूमिका मेरे लिए ही लिखी गई थी।

कुछ ऐसी थी स्टोरीलाइन

संघर्ष जब रिलीज हुई थी, तब वह मुख्यधारा की फिल्म नहीं थी, लेकिन आज इस तरह की फिल्म को मेनस्ट्रीम माना जाता है। कई लोगों का मानना है कि संघर्ष, द साइलेंस ऑफ द लैम्ब्स से प्रेरित फिल्म है। अक्षय कुमार फिल्म में प्रोफेसर अमन के रोल में थे। वहीं प्रीति जिंटा सीबीआई अफसर रीत ओबरॉय के किरदारा में थी। कहानी में दिखाया गया था कि प्रोफेसर अमन जेल में दिन काट रहे होते हैं, लेकिन लज्जा शंकर के केस को सॉल्व करने के लिए रीत, प्रोफेसर अमन की मदद लेती है और बच्चों का अपहरण करने वाले लज्जा शंकर का भांडा फोड़ करती है। इस फिल्म को तनुज चंद्रा के निर्देशन में बनाया गया था। इस फिल्म की कहानी महेश भट्ट ने लिखी। इस फिल्म को बनाने में चार करोड़ रुपये लगे थे और फिल्म ने दुनियाभर में 9 करोड़ की कमाई की थी। वैसे इस फिल्म को कल्ट क्लासिक फिल्मों में गिना जाता है।

एक्टिंग में ही नहीं इस काम में भी माहिर है टीवी की देसी गर्ल

टीवी जगत में कई एक्ट्रेस ऐसी भी है जो सिर्फ अपनी दमदार एक्टिंग ही नहीं बल्कि अपने स्पेशल टैलेंटेड के लिए भी लोगों के बीच मशहूर हैं। उन्हीं में से एक हैं टीवी की देसी गर्ल के नाम से फेमस समृद्धि शुक्ला, जिन्हें अपनी बेहतरीन आवाज के चलते जबरदस्त नेम फेम मिला है। समृद्धि शुक्ला भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री ही नहीं बल्कि वॉयस ओवर आर्टिस्ट भी हैं। उन्होंने ब्रह्मास्त्र फिल्म के ओटीटी वर्जन के लिए आलिया भट्ट के लिए अपनी आवाज दी थी। इतना ही नहीं वह रणबीर कपूर की सुपरहिट फिल्म एनिमल के लिए भी काम कर चुकी हैं। टीवी एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला इन दिनों ये रिश्ता क्या कहलाता है की अभिरा बन दर्शकों के बीच छाई हुई हैं।

वाईआरकेकेएच की ये एक्ट्रेस हैं वॉयस ओवर आर्टिस्ट

टीवी एक्ट्रेस बनाने के पहले समृद्धि शुक्ला एक पॉपुलर वॉयस ओवर आर्टिस्ट बन इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। वहीं इन दिनों अपनी वह अपनी शानदार एक्टिंग के लिए लाइमलाइट में बनी हुई हैं। रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल के इंग्लिश वर्जन में तृप्ति डिमरी को जिसने अपनी आवाज दी है वह कोई और नहीं बल्कि समृद्धि शुक्ला ही हैं। दरअसल, ओटीटी पर मौजूद एनिमल के इंग्लिश वर्जन में तृप्ति डिमरी को समृद्धि शुक्ला ने अपनी आवाज दी है। इस बात का खुलासा एक्ट्रेस ने खुद किया था। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर करते हुए बताया था, नेटफ्लिक्स पर एनिमल के इंग्लिश वर्जन में मेरी आवाज सुनाने के लिए हो जाए तैयार, भाभी 2 तृप्ति डिमरी के किरदार में पेश है समृद्धि की आवाज...

कावेरी पोद्दार भी हैं अभिरा की फैन

एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला को उनके फैंस उन्हें टीवी की देसी गर्ल भी कहते हैं क्योंकि वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी देसी फोटोज और वीडियोज भी शेयर करती हैं। वह सोनल कौशल के बाद डोरेमोन में अपनी डोरेमोन और लिटिल भीम को आवाज देने के लिए भी जानी जाती हैं। वह सावी की सवारी में सावी गोयल डालमिया और ये रिश्ता क्या कहलाता है में एडवोकेट अभिरा शर्मा पोद्दार की भूमिका निभाने के लिए भी मशहूर हैं। एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग से पहले आवाज का भी जादू दिखा चुकी हैं। वहीं सोशल मीडिया पर अनीता राज भी समृद्धि शुक्ला कई आए दिन तारीफ करती रहती हैं जो खुद फिल्मों के बाद अब टीवी एक्ट्रेस बन छाई हुई हैं।

स्वास्थ्य विभाग में हुआ बड़ा घोटाला

लैब तकनीशियन नहीं और जांच के लिए भेज दी करोड़ों की रीएजेंट और ऑटो एनालाइजर मशीन

» कांग्रेस सरकार में हुई खरीदी की जांच कर रही है... छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार

» रोक के बाद भी उधार में खरीद ली 832.91 करोड़ रुपये की उपकरण और रीऐजेंट

» 915 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 186 में लैब तकनीशियन का पद भी नहीं है स्वीकृत

रायपुर,03 अक्टूबर 2024 (ए)। स्वास्थ्य संचालक की रोक के बाद भी छत्तीसगढ़ दवा निगम ने 832.91 करोड़ रुपये की दवाएं, उपकरण और रीऐजेंट खरीदी तीन साल पहले की थी। इस पूरी खरीदी में इतना बड़ा गोलमाल हुआ कि जिन स्वास्थ्य केंद्रों में जांच की सुविधा ही नहीं थी वहां पर रीएजेंट भेज दिया गया। छत्तीसगढ़ में 915 से ज्यादा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 186 में लैब तकनीशियन का भी पद स्वीकृत ही नहीं है। ऐसे हेल्थ सेंटरों में रीएजेंट और आटो एनालाइजर मशीन भेज दी गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में लैब तकनीशियन का पद सृजित किया गया, लेकिन अब तक जहां भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैं वहां भर्ती ही नहीं हुई। इन स्वास्थ्य केंद्रों में भी लाखों रीएजेंट और उपकरण भेज दिए गए। यह पूरी खरीदी कांग्रेस शासन काल में हुई थी। इसमें उपकरण और रीऐजेंट की खरीदी 600 करोड़ से ज्यादा की है।

जबकि शासन का नियम ही नहीं है कि बिना वजट स्वीकृति के एक रुपए की भी खरीदी की जाए। इस तरह शासन को कर्ज के बोझ से बचाने के लिए 11 सितंबर 2019 को तत्कालीन स्वास्थ्य संचालक निहारिका बारिक ने सीजीएमएससी को पत्र लिखकर निर्देशित किया था कि बिना स्वास्थ्य संचालनालय बजट मिले किसी भी तहर की खरीदी न की जाए।

जांच जांचने की सुविधा नहीं वहां भेज दिया लाखों रीएजेंट अमोनिया लेवल टेस्ट जांच रीएजेंट की सप्लाई

अमोनिया रीएजेंट भी बड़ी मात्रा में हेल्थ सेंटरों में सप्लाई किया गया है। लैब में इसकी जांच करने वाला उपकरण भी उपलब्ध नहीं है। इसके बावजूद लाखों का कार्डियेक मारकर रीएजेंट सप्लाई कर दिया गया है।

खरीदी की हो रही जांच, इसलिए अटका भुगतान

भाजपा सरकार पूरी खरीदी की सीमीक्षा कर रही है। सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक ने 23 अप्रैल और 05 जुलाई को दवाई कंपनियों की बकाया राशि का भुगतान करने के लिए स्वास्थ्य संचालक को पत्र लिखकर मांग की थी। जबकि खुद शासन स्तर पर इस खरीदी की जांच की जा रही है। अहम बात यह है कि इस पूरी खरीदी में कुछ जरूरी दवाओं की भी खरीदी हुई थी उनका भुगतान भी अटका हुआ है। ऐसी कंपनियों ने सप्लाई रोक दी है।

खून का थक्का जमना रीएजेंट की सप्लाई

कोविड के दौरान ब्लड की थिकनेस की जांच के लिए टी-टाइमर रीएजेंट का उपयोग किया जाता था। जांचने की सुविधा नहीं है। इसके बाद भी बायोकेमेस्ट्री एनालाइजर की थोक में सप्लाई कर दिया गया है।

लीवर फंक्शन टेस्ट रीएजेंट की सप्लाई

लीवर फंक्शन टेस्ट केवल सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर लिखते हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जहां डॉक्टर नहीं हैं वहां एडिनोसिन डीएम इमेज रीएजेंट भेज दिया गया।छग स्वास्थ्य विभाग मंत्री श्याम विहारी जायसवाल ने कहा, कांग्रेस सरकार में जितनी भी उपकरण और रीएजेंट की खरीदी की गई है उनकी जांच की जा रही है। जिन अधिकारियों के संरक्षण में खरीदी हुई है उनपर कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान कंपनियों का भुगतान अभी करने के संबंध में कोई विचार नहीं है।

भ्रष्टाचार का हुआ पर्दाफाश

नायब तहसीलदार ने 9 एकड़ जमीन हड़पी

बिलासपुर,03 अक्टूबर 2024 (ए)। जिले के पचपेड़ी तहसील क्षेत्र के एक गांव की 9 एकड़ 44 डिसमिल भूमि को दूसरे व्यक्ति के नाम पर चढ़ाने वाले तत्कालीन नायब तहसीलदार के खिलाफ निलंबन का प्रस्ताव भेजने के कलेक्टर अवनीश शरण ने निर्देश दिए हैं। साथ ही नायब तहसीलदार के खिलाफ एफआईआर के निर्देश भी एसडीएम मस्तूरी को दिया है।

बिलासपुर के जिले पचपेड़ी तहसील के ग्राम भुरकुंडा सूर्यवंशी पारा स्थित गौरीबाई और अन्य की 9 एकड़ 44 डिसमिल जमीन को तत्कालीन नायब तहसीलदार रमेश कुमार कमार, जो कि वर्तमान में जीपीएम जिला में नायब तहसीलदार हैं, उन्होंने अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर वाद भूमि को निजी भूमि के रूप में दर्ज करने का आदेश पारित किया था। जमीन को पटवारी ने अपने प्रतिवेदन में निस्तार पत्रक में दर्ज होना बताया हैं। भूमि को विक्रम सिंह पिता हेमलाल निवासी धनगवा के नाम दर्ज कर दिया गया। इसकी शिकायत कलेक्टर अवनीश शरण टीएल में मिली थी। इस पर उन्होंने मस्तूरी एसडीएम को जांच के निर्देश दिए थे।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

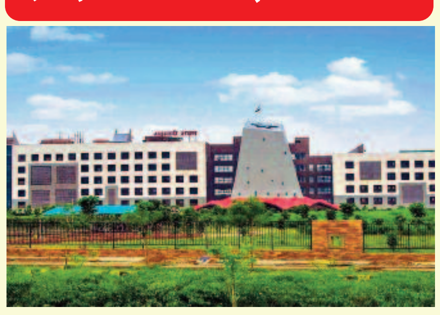

राज्य स्थापना दिवस पर घोषित किया गया अवकाश

रायपुर,03 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के राज्य स्थापना दिवस पर एक नवंबर को राज्य सरकार ने अवकाश की घोषणा की है। इस दिन सभी सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की बैठक में शामिल होंगे सीएम साय

राज्य के विभिन्न मुद्दों पर होगी चर्चा

रायपुर,03 अक्टूबर 2024 (ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 7 अक्टूबर को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ में होने वाली बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक में राज्य के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, जो प्रदेश के विकास और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

एयरपोर्ट में पार्किंग के नए टेंडर के खिलाफ दायर याचिका हाई कोर्ट ने की खारिज

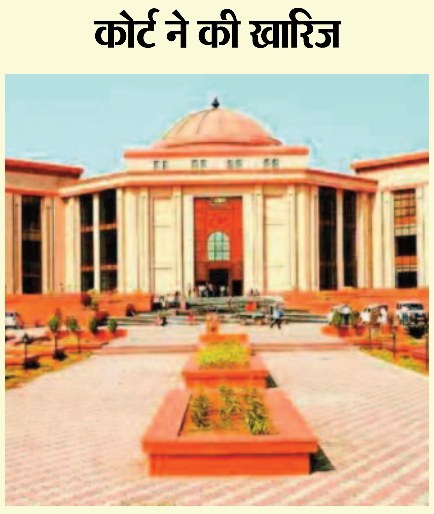

कोर्ट ने वर्तमान ठेकेदार को नहीं दी राहत

बिलासपुर,03 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में वाहन पार्किंग प्रबंधन के लिए नई ई-टेंडरिंग प्रक्रिया को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता मेसर्स अंजनेय इंटरप्राइजेज के संचालक संतोष तिवारी ने कोविड-19 रियायती सहायता योजना के तहत राहत की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने उसके दावे को खारिज कर दिया।

तिवारी ने कोर्ट में यह भी कहा कि उन्हें इस राहत योजना से बाहर रखना एक मनमाना और भेदभावपूर्ण निर्णय था, जो संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करता है। उन्होंने इसे भेदभावपूर्ण व्यवहार बताया और कोर्ट से इस निर्णय को रद्द करने की अपील की।

छत्तीसगढ़ सरकार ने दूसरी बार योजनाओं का नाम बदला

» राजीव गांधी की जगह अब दीनदयाल उपाध्याय

रायपुर,03 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार ने प्रदेश की दो योजनाओं का नाम बदल दिया है। पिछले पांच साल में इन योजनाओं के नाम दूसरी बार बदला गया है। भाजपा सरकार ने इन योजनाओं का नाम पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी से बदलकर जनसंघ के दिग्गज नेता दिवंगत दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखा है।

पांच साल में दूसरी बार बदला गया नामः

छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन और विकास विभाग की योजनाओं का नाम पहले उपाध्याय के नाम पर रखा गया था। लेकिन 2019 में कांग्रेस सरकार ने इनका नाम बदलकर दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नाम पर रख दिया. विधानसभा चुनाव 2023 में जीत दर्ज करने के बाद प्रदेश में दोबारा बीजेपी की सरकार है. ऐसे में एक बार फिर योजनाओं के नाम राजीव से बदलकर दीनदयाल उपाध्याय कर दिया गया है।

इन योजनाओं का बदला नामः

जानकारी के मुताबिक,छत्तीसगढ़ सरकार की दो योजनाओं के नाम बदलने का आदेश 18 सितंबर को जारी किया गया। इस आदेश को 30 सितंबर को सरकारी वेबसाइट पर अपलोड किया गया। राजीव गांधी स्वावलंबन योजना का नाम बदलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वावलंबन योजना कर दिया गया है। जबकि राजीव गांधी आजीविका केंद्र (आजीविका केंद्र) योजना को पंडित दीनदयाल उपाध्याय आजीविका केंद्र योजना के नाम से जाना जाएगा। इन योजनाओं का क्रियान्वयन छत्तीसगढ़ शहरी अधोसंरचना विकास निधि द्वारा किया जाता है।

कांग्रेस ने की फैसले की आलोचना

वहीं दूसरी ओर कांग्रेस प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला ने इस फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के पास शुरू करने के लिए कोई नई योजना नहीं है। इसलिए वह पिछली भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान संचालित योजनाओं के नाम बदल रही है।

योजनाओं का मूल नाम बहाल किया

प्रदेश की शहरी प्रशासन विभाग उपमुख्यमंत्री अरुण साय संभालते हैं। डिप्टी सीएम साव ने कहा है कि योजनाओं का नाम मूल रूप से दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखा गया था और उन नामों को केवल बहाल किया गया है।

हाईकोर्ट का आदेश कर्मचारी का नाजायज बेटा भी हो सकता है अनुकंपा का हकदार

बिलासपुर,03 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस संजय के अग्रवाल ने कहा कि भले ही याचिकाकर्ता मृतक सरकारी कर्मचारी का नाजायज पुत्र हो वह अनुकंपा के आधार पर विचार के लिए हकदार होगा। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि वह मृतक सरकारी कर्मचारी का नाजायज पुत्र है। कोर्ट ने एसईसीएल प्रबंधन को नोटिस जारी कर कहा है कि आदेश की प्रति प्राप्त होने की तारीख से 45 दिनों के भीतर आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति देने की प्रक्रिया पूरी करें।एसईसीएल द्वारा 21 अप्रैल 2015 को जारी आदेश को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता विक्रांत कुमार लाल ने अधिवक्ता संदीप दुबे के माध्यम से याचिका दायर की है।

भारतीय सेना का भीष्म टी-90 टैंक पहुंचा

रायपुर,03 अक्टूबर 2024(ए)। आज राजधानी रायपुर में भारतीय सेना का भीष्म टी-90 टैंक और अन्य आर्टिलरी उपकरण पहुंचे, जिसका शहर में भव्य रैली के माध्यम से स्वागत किया गया। यह कार्यक्रम 5 और 6 अक्टूबर को साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित होने वाले सैन्य शक्ति प्रदर्शन आर्मी मेले की तैयारी के तहत किया गया है, जिसमें भारतीय सैनिकों का जौहर देखने का अवसर मिलेगा।

जिला प्रशासन की ओर से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में एक स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, एसएसपी संतोष कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अविनाश मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों ने भीष्म टैंक का स्वागत किया।स्वागत के बाद, एक रैली के रूप में टैंक और अन्य सैन्य उपकरणों को तेलीबांधा,मरीन ड्राइव, कलेक्ट्रेट,जयस्तंभ और आश्रम चौक होते हुए साइंस कॉलेज मैदान तक ले जाया गया। रैली के दौरान रायपुर के नागरिकों में उत्साह देखने को मिला, और सैकड़ों लोगों ने इस शानदार दृश्य को अपने मोबाइल फोन में कैद किया। इस कार्यक्रम को लेकर राजधानी में सकारात्मक माहौल बना हुआ है, और नागरिक इसे लेकर खासा उत्सुक हैं। यह आयोजन न केवल सेना की शक्ति को प्रदर्शित करेगा, बल्कि लोगों में देशभक्ति और सैन्य बल के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगा।

सीजीपीएससी ने जारी किया इंटरव्यू का शेड्यूल

» साक्षात्कार के लिए मुख्य परीक्षा में 703 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

» साक्षात्कार की तिथि से एक दिन पहले सत्यापन कराना होगा दस्तावेज

» सीजीपीएससी के साक्षात्कार में 100 अंक दिए जाएंगे,पहले यह 150 थे...

रायपुर,03 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) ने जून 2023 में चयनित अभ्यर्थियों के लिए साक्षात्कार की तारीख जारी कर दी गई। साक्षात्कार 15 अक्टूबर से पांच नवंबर तक होगा। पीएससी की तरफ से पिछले दिनों मुख्य परीक्षा के परिणाम जारी किए गए थे, जिसमें 703 अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के लिए हुआ है। जून में 242 पदों के लिए हुई मुख्य परीक्षा में 3,597 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। साक्षात्कार तिथि से एक दिन पहले अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन कराना होगा। जो अभ्यर्थी दस्तावेज सत्यापन नहीं कराएंगे उन्हें साक्षात्कार में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कोरोना संक्रमण के समय जिस तरह अभ्यर्थियों को मास्क और सैनिटाइजर के साथ बुलाया जाता था,वैसी ही गाइडलाइन जारी की गई है। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 11 फरवरी को हुई थी। इसमें 1 लाख 58 हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे। मुख्य लिखित परीक्षा 24, 25, 26 और 27 जून को आयोजित की गई थी।

100 अंकों का होगा साक्षात्कार

इस बार साक्षात्कार के अंकों में भी बदलाव किया गया है। अब अभ्यर्थियों को 100 अंक मिलेंगे। पहले इसके लिए 150 नंबर निर्धारित थे। इंटरव्यू दो पाली में सुबह 10 से एक बजे तक और दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होगा।

इन पदों पर होगी भर्ती

डिप्टी कलेक्टर, छग राज्य वित्त सेवा अधिकारी, खाद्य अधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, जिला पंजीयक, राज्य कर सहायक आयुक्त, अधीक्षक जेल जिला, सहायक संचालक आदिम जाति, अनुसूचित जनजाति सहायक पंजीयक, जिला सेनानी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, बाल विकास परियोजना अधिकारी, छग अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी, नायाब तहसीलदार, राज्य कर निरीक्षक, सहायक निरीक्षक/ सहकारिता विस्तार अधिकारी का पद शामिल है।

विधायक रायमुनि के खिलाफ लामबंद हुआ ईसाई समाज

» पत्थलगांव से झारखंड तक मानव श्रृंखला बनाकर किया प्रदर्शन

जशपुर/रायपुर,03अक्टूबर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण का मुद्दा समय-सयम पर उठता रहा है। विधानसभा चुनाव से पहले भी धर्मांतरण को लेकर जमकर बवाल मचा था। इस मुद्दे को लेकर पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने एक दूसरे के खिलाफ जमकर बयानबाजी की थी। अब इसी कड़ी इसी कड़ी में जशपुर से भाजपा विधायक रायमुनि भगत ने ईसाई धर्म को मानने वालों और प्रभु यीशु मसीह को लेकर ऐसा बयान दिया कि सियासी गलियारे में बवाल मच सकता है। विधायक रायमुनि भगत का वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है।जिसके खिलाफ ईसाई समाज ने जशपुर में मोर्चा खोल दिया है। जशपुर विधायक रायमुनी भगत द्वारा यीशु मसीह पर अभद्र टिप्पणी करने से आक्रोशित ईसाई आदिवासी महासभा ने एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। महासभा ने अपना विरोध जताते हुए जशपुर से झारखंड की सीमा तक 114 किलोमीटर की मानव श्रृंखला बनाकर, हाथों में तख्ती लेकर, काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया, जिसमें महिला और बच्चे भी शामिल हुए। महासभा ने विधायक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की हैं। एक कार्यक्रम में भाजपा विधायक भगत ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज ईसाई लोग अल्पसंख्यक होने के डर से अपने आप को सबसे बड़ा आदिवासी मान रहे हैं। मैं इस मंच के माध्यम से कहीं अगर सुन रहे हों तो अपनी बात पहुंचाना चाहती हूं। जो लोग अपने आप को यीशु मसीह की औलाद समझते हैं, वो ये जान लें कि यीशु मसीह वो यीशु मसीह हैं जो अपने आप को सूली पर ठोंक दिए थे। उन्होंने आगे कहा कि लहु लुहान उसको कोड़ा मारते-मारते पहाड़ पर चढ़ा दिए, जो खुद को नहीं बचा पाया वो हमें क्या बचाएगा?

छत्तीसगढ़ में बीजेपी का पोस्टर वॉर

कांग्रेस के राज्यसभा सांसदों को बताया लापता, इनाम की घोषणा

रायपुर,03 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर बीजेपी ने कांग्रेस के तीनों राज्यसभा सांसदों पर निशाना साधते हुए पोस्टर वॉर छेड़ दिया है। गुरुवार को बीजेपी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें कांग्रेस के तीन राज्यसभा सांसदों को लापता बताया गया है।पोस्ट में लिखा गया है कि ये सांसद छत्तीसगढ़ियों का हक मार रहे हैं, और न सिर्फ़ जनता बल्कि कांग्रेस के कार्यकर्ता भी इन्हें ढूंढ रहे हैं। पोस्ट के अंत में कहा गया कि यदि किसी को ये सांसद मिलें, तो राजीव भवन रायपुर में संपर्क करें।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)